आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा/कार्तिक कृष्ण पक्ष संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 95 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 अक्टूबर 2025 बुधवार

आज का मौसम

31 अधिकतम

23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

इंडिया मोबाइल कांग्रेस : उद्घाटन पर बोले- प्रधानमंत्री मोदी

‘मेक इन इंडिया’ पर जो हंसते थे उन्हें आज मिल गया जवाब

हमारे युवाओं की ताकत: 6 जी में दुनिया को लीड करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के 9वें एडिशन का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम, मीडिया और टेक्नोलॉजी इवेंट है। पीएम मोदी ने कहा कि जब मैंने मेक इन इंडिया की बात कही थी तो कुछ लोग इसका मजाक उड़ाते थे। उन्हें जवाब मिल गया है। जो देश कभी 2जी को लेकर स्ट्रगल करता था, आज उसी देश के सभी जिले में 5जी पहुंच गया है। आज भारत में 1GB वायरलेस डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम है।

पीएम ने कहा- भारत ने मेड इन इंडिया 4जी स्टैक लॉन्च किया है। अब भारत उन 5 देशों की लिस्ट में आ गया है, जिनके पास यह क्षमता है। पूरी दुनिया भारत की क्षमता को पहचान रही है। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम और 5 मार्केट है। यह भारत में निवेश, नवाचार और निर्माण का सबसे सही समय है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में तीन प्रमुख बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि पहली, भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है। नई जेनरेशन

बहुत बड़े लेवल पर स्कील्ड बनाई जा रही है। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम और दूसरा सबसे बड़ा 5G मार्केट है। इसके साथ-साथ, हमारे पास मैनपॉवर, मोबिलिटी और माइंडसेट भी हैं। उन्होंने हम देश में साइबर सिक्योरिटी को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रहे हैं। साइबर फ्रॉड के खिलाफ कानून सख्त किए गए हैं। जवाबदेही तय की गई है। शिकायत निवारण तंत्र में भी सुधार किया गया है। इंडस्ट्री और कंज्यूमर दोनों को इसका बहुत फायदा मिल रहा है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में चिप सेट्स, बैटरियों से लेकर डिस्प्ले और सेंसर्स तक के काम देश के भीतर और ज्यादा काम होने की जरूरत है। दुनिया पहले से कही ज्यादा डेटा जनरेट कर रही है। इसलिए स्टोरेज, सिक्योरिटी और संप्रभुता जैसे सवाल बहुत अहम हो जाएंगे। भारत डेटा सेंटर और क्लाउड इन्फ्रास्क्चर पर काम करके एक ग्लोबल डेटा हब बन सकता है।

टेक्नोलॉजी फॉलो करने वाला भारत आज है सबसे आगे: सिंधिया

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आज हमारी दूरसंचार क्रांति चार ‘डी’ पर आधारित है डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल फर्स्ट और डिलीवरी। 2014 में 1जीबी डेटा की कीमत 287 हुआ करती थी। आज उसी 1 जीबी डेटा की कीमत केवल 9.11 है। यह सिर्फ दूरसंचार क्रांति नहीं है। यह विकसित भारत की क्रांति है। कौशल हमें शक्ति देता है, सुरक्षा हमें आत्मविश्वास देती है और संप्रभुता हमें आत्मनिर्भर बनाती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया पर निर्भर देश से आत्मनिर्भर भारत में बदल रहा है। केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि आज दुनियाभर के बीस देश भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल को अपनाने के लिए चर्चा कर रहे हैं। दूसरे देशों से टेक्नोलॉजी लेने और फॉलो करने वाला भारत आज विश्व का डिजिटल ध्वजवाहक बन गया है।

सिलेंडर भरे ट्रक से टैंकर टकराया, ड्राइवर की झुलस कर मौत

200 सिलेंडरों में होते रहे धमाके 10 किमी दूर तक सुनाई दी आवाज

जयपुर, एजेंसी

जयपुर जिले के दूदू क्षेत्र में मौखमपुरा के पास एक खौफनाक हादसा हुआ। एलपीजी सिलेंडरों से भरे खड़े ट्रक को एक केमिकल टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही टैंकर के केबिन में आग लग गई, जो तेजी से ट्रक तक फैल गई। आग सिलेंडरों तक पहुंची तो एक के बाद एक करीब 200 गैस सिलेंडरों में विस्फोट हो गया। धमाकों की आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी और कुछ सिलेंडर 500 मीटर दूर खेतों तक जा गिरे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंकर चालक ने आरटीओ वाहन को देखकर अचानक ढाबे की ओर मोड़ दिया, जिससे सामने खड़े गैस सिलेंडर से लदे ट्रक से भिड़ गया। हादसे में टैंकर का चालक जिंदा जल गया। जबकि खलासी का पता नहीं चला। एक ट्रक में चालक का थोड़ा कंकाल मिला है। कैमिकल से भरे ट्रक के चलाक और खलासी का कोई पता नहीं चला है। आसपास खड़े पांच अन्य वाहन भी आग की चपेट में आ गए। दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ट्रक में कुल 330 सिलेंडर लदे हुए थे, जिनमें से दो तिहाई से ज्यादा सिलेंडर फट गए। हाईवे पर दोनों ओर ट्रैफिक रोकना पड़ा, जिसे तड़के सुबह करीब 4.30 बजे दोबारा खोला गया। ट्रक ड्राइवर शाहरुख ने बताया कि हादसे में उसका ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना के समय टैंकर जयपुर की ओर जा रहा था, तभी सामने से आरटीओ की गाड़ी आती दिखी। आरटीओ वाहन को देखकर टैंकर चालक घबरा गया और खुद को बचाने की कोशिश में उसने टैंकर को सड़क किनारे एक ढाबे

में घुसा दिया। टक्कर के तुरंत बाद स्पार्किंग हुई और आग फैल गई। केमिकल टैंकर के ड्राइवर ने जान बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन आग ने तेजी से घेर लिया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

न्यूज विंडो

उद्धव ठाकरे गुट के शिवसैनिकों ने सरकारी गेस्ट हाउस में की तोड़फोड़

मुंबई, एजेंसी। सरकारी गेस्ट हाउस का हॉल न मिलने पर उद्धव गुट के शिवसैनिकों ने गेस्ट हाउस में तोड़फोड़ कर दी और कांच के दरवाजे तोड़ दिए। मराठवाड़ा स्तर के आंदोलन की पृष्ठभूमि में मंगलवार को लातूर में पार्टी की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में शिवसेना नेता अंबादास दानवे उपस्थित रहने वाले थे। शिवसैनिकों ने बैठक के लिए सरकारी विश्राम गृह में एक हॉल की मांग की थी। कर्मचारियों द्वारा हॉल उपलब्ध न कराए जाने की सूचना मिलने पर शिवसैनिक आक्रामक हो गए। गुस्साए शिवसैनिकों ने हॉल के कांच के दरवाजे तोड़कर अपना गुस्सा जाहिर किया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सुरक्षा बल तैनात कर दिया। इस घटना से इलाके में कुछ देर के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया।

11 दिन बाद सोनम वांगचुक से पत्नी गीतांजलि की मुलाकात

जोधपुर, एजेंसी। लद्दाख के मशहूर क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तारी के पूरे 11 दिन बाद, मंगलवार रात उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो को जोधपुर सेंट्रल जेल में उनसे मिलने की इजाजत मिली। जेल से बाहर आने के बाद गीतांजलि अंगमो ने जो बयान दिया, वो दिखाता है कि सोनम वांगचुक का मनोबल बिल्कुल भी टूटा नहीं है। उनकी गिरफ्तारी भले ही ह्र जैसे सख्त कानून के तहत हुई हो, लेकिन उनके हौसले में कोई कमी नहीं आई है। गीतांजलि ने ट्वीट में लिखा- आज वांगचुक से मुलाकात हुई। उनका साहस निडर है। उनकी प्रतिबद्धता दृढ़ है। जोधपुर सेंट्रल जेल में वांगचुक से मिलने के बाद उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सोशल मीडिया (ट्वीट) पर एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें आखिरकार हिरासत आदेश सौंप दिया गया है।

आज का कार्टून

जुबिन की हत्या के आरोप में चचेरा भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

असम पुलिस के विशेष जांच दल ने सिंगर जुबीन गर्ग के चचेरे भाई संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है। संदीपन गर्ग जुबीन के साथ सिंगापुर यॉट पार्टी में मौजूद थे। वह पहली बार विदेश घूमने गए थे।पुलिस अधिकारी संदीपन को अदालत ने 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

संदीपन भी जुबीन के साथ सिंगापुर गए थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि असम पुलिस में डीएसपी संदीपन गर्ग इस मामले में गिरफ्तार किए गए पांचवें शख्स हैं। बुधवार सुबह उनको एक स्थानीय अदालत में पेश

जुबिन के साथ आरोपी डीएसपी भाई (बाएं)

किया गया, जहां से उनको 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस अधिकारी संदीपन, जुबीन के साथ अपनी पहली विदेश यात्रा पर सिंगापुर गए थे। वह भी यॉट पार्टी में मौजूद थे । सिंगर की मौत के बाद वह उनका कुछ सामान देश वापस लाए थे। हाल ही में एक फेसबुक पोस्ट में उन्होंने कहा था कि जांच में उन्होंने एसआईटी के साथ पूरा सहयोग किया। अधिकारियों के मुताबिक, पांच दिनों तक पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। संदीपन को पुलिस विभाग से सस्पेंड क्यों नहीं किया गया, इस सवाल के जवाब में एसआईटी को लीड कर रहे असम सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना गुप्ता ने कहा कि उन्हें आज गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई संबंधित विभाग करेगा।

उत्तराखंड में जल सत्याग्रह रामगंगा में कूदे आंदोलनकारी

अल्मोड़ा, एजेंसी। सीएचसी चौखुटिया की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चल रहे आंदोलन ने नाटकीय मोड़ ले लिया। आंदोलन के सातवें दिन ‘ऑपरेशन स्वास्थ्य’ अभियान के तहत पूर्व जिला पंचायत सदस्य हीरा सिंह पटवाल के नेतृत्व में तीन आंदोलनकारी रामगंगा नदी में उतर गए और जल सत्याग्रह शुरू कर दिया। आंदोलनकारियों में हीरा सिंह पटवाल के साथ दो अन्य साथी भी शामिल रहे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि आंदोलनकारी अपनी मांगों पर अडिग हैं और चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे फिर से नदी में उतरकर आंदोलन को और तेज करेंगे। आंदोलनकारियों की मांग है कि सीएचसी चौखुटिया को उच्चीकृत कर सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की जाए, साथ ही अल्ट्रासाउंड और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहद दयनीय है और मरीजों को मामूली इलाज के लिए भी रानीखेत या अल्मोड़ा जाना पड़ता है। आंदोलनकारियों ने साफ कहा है कि जब तक ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, वे अपना सत्याग्रह जारी रखेंगे।

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस

मुख्य सचिव बोले-विकास को प्राथमिकता दें कलेक्टर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। यहां चल रही कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के दूसरे दिन मुख्य सचिव

अनुराग जैन ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे जनकल्याणकारी योजना और विकास कार्यों के प्रचार में सहयोग करें। उन्होंने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे मीडिया प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। हितग्राहियों से संबंधित योजनाओं को प्रचार माध्यमों तक पहुंचाना चाहिए। प्रिंट, सोशल, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की खबरों पर नजर बनाए रखना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री जैन ने अधिकारियों से कहा कि वे असत्य खबरों पर तत्काल संज्ञान लें।

13 साल में सर्जन तो 11 साल में 9वीं क्यों नहीं?

खास प्रतिभा वाले बच्चों के लिए उम्र के बंधन पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर, एजेंसी

एमपी हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने के मौके देने वाली नीतियों पर स्पष्टीकरण मांगा है। जबलपुर में चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस डीडी बंसल की बेंच ने सीबीएसई की एक अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि असाधारण प्रतिभा वाले बच्चों को नीतिगत नियमों के कारण रोका नहीं जाना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार को ऐसे बच्चों को समायोजित करने की नीति बताने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को होगी।

कहा कि जिस दिन यह मामला लिस्ट हुआ, उसके अगले ही दिन देश के सबसे युवा सर्जन की खबर आई थी। यह सवाल उठता है कि वह 13-14 साल की उम्र में सर्जन कैसे बन गए। केंद्र सरकार के वकील ने बताया कि उन्होंने इस बारे में संबंधित विभाग से दिशा-निर्देश मांगे हैं, जो अभी तक नहीं मिले हैं।

11 साल के छात्र से जुड़ा मामला

यह मामला जबलपुर के एक 11 साल के छात्र से जुड़ा है, जिसे कक्षा नौवीं में अस्थायी प्रवेश दिया गया था। सीबीएसई ने इस प्रवेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। सीबीएसई का कहना था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विशेष कक्षाओं में प्रवेश के लिए उम्र का एक पैमाना तय है। सुनवाई के दौरान, बेंच ने

12 की उम्र में आईआईटी की पढ़ाई

कोर्ट को यह भी पता चला कि छात्र को वास्तव में कक्षा 9वीं में अस्थायी प्रवेश मिल चुका है। बेंच ने पाया कि देश में ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को पहले से ही मान्यता मिल रही है। उदाहरण के लिए, एक छात्र 12 साल की उम्र में आईआईटी की पढ़ाई कर रहा है, और आईआईटी जैसी संस्थाएं ऐसे बच्चों को स्वीकार कर रही हैं।

मेट्रो एंकर | जनवरी 2026 से शुरू होगी नई सेवा, IRCTC प्लेटफॉर्म भी अपडेट होगा

रेल यात्रियों के लिए बड़ी सुविधा, कन्फर्म टिकट पर यात्रा की तारीख बदली तो नहीं देना होगा कैंसिलेशन चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

अब अगर आपकी यात्रा की तारीख बदल जाए तो टिकट रद्द करने और कैंसिलेशन चार्ज देने की टेंशन नहीं रहेगी। भारतीय रेलवे ने एक नया नियम लागू करने की घोषणा की है जिसके तहत यात्री अपनी कन्फर्म ट्रेन टिकट की तारीख बिना किसी केंसिलेशन चार्ज के यह सुविधा जनवरी 2026 से लागू होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस नई पॉलिसी का मकसद यात्रियों को ज्यादा लचीलापन और सुविधा देना है। फिलहाल अगर किसी को अपनी यात्रा स्थगित करनी होती है, तो टिकट रद्द करनी पड़ती है और उसका शुल्क भी देना पड़ता है। नई व्यवस्था से यह झंझट खत्म हो जाएगा और यात्री आसानी से अपनी यात्रा की तारीख बदल पाएंगे।

नई व्यवस्था के तहत यात्री अपनी टिकट की तारीख केवल तब बदल सकेंगे जब नई तारीख पर सीट उपलब्ध होगी। अगर नई टिकट का किराया पुरानी से ज्यादा होगा तो यात्री को किराये का अंतर देना होगा। लेकिन अगर किराया समान है या कम है, तो किसी तरह का अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। रेलवे ने बताया कि इस सुविधा का लाभ सिर्फ उन्हीं टिकटों पर मिलेगा जो कन्फर्म होंगी। यानी वेटिंग या आरएसी टिकटों पर फिलहाल यह सुविधा लागू नहीं होगी।

यात्रियों को होगा सीधा फायदा

यह कदम रेलवे के यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। पहले टिकट रद्द करने पर बेस फेयर का 25 से 50 प्रतिशत तक कैंसिलेशन चार्ज कट जाता था, लेकिन अब यात्री सिर्फ तारीख बदलवाकर बिना नुकसान के यात्रा कर सकेंगे। इस फैसले से उन यात्रियों को सबसे ज्यादा फायदा होगा जिनकी योजनाएं अचानक बदल जाती हैं। चाहे ऑफिस मीटिंग आगे बढ़े या पारिवारिक

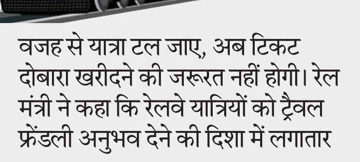

वजह से यात्रा टल जाए, अब टिकट दोबारा खरीदने की जरूरत नहीं होगी। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे यात्रियों को ट्रैवल फ्रेंडली अनुभव देने की दिशा में लगातार सुधार कर रहा है। डिजिटल टिकटिंग सिस्टम के विस्तार के साथ अब यात्रियों को ज्यादा नियंत्रण और सुविधा देने की कोशिश की जा रही है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, इस फैसले के बाद बुकिंग सिस्टम और आईआरसीटीसी (IRCTC) प्लेटफॉर्म में तकनीकी बदलाव किए जाएंगे ताकि यात्री आसानी से ऑनलाइन ही अपनी यात्रा की तारीख बदल सकें।

पुलिस का व्यवहार जनता के प्रति विनम्र हो : डीजीपी

भोपाल। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने पुलिस अफसरों के साथ बैठक में कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं, बल्कि जनता में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बनाना भी उतना ही आवश्यक है। पुलिस का व्यवहार आम जनता के साथ विनम्र, संवेदनशील और जिम्मेदार होना चाहिए। हर पुलिसकर्मी का आचरण ही संगठन की छवि बनाता है, इसलिए अनुशासन और सेवा भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

बेरोजगारी का दंश: एक पद के लिए 13 हजार दावेदार

आरक्षक बनने के लिए पीएचडी-बीई वाले आवेदक, बोले- कहीं जॉब नहीं मिल रही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में बेरोजगारी का आलम ऐसा है कि पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए पीएचडी, इंजीनियर, पोस्ट ग्रेजुएट और डिप्लोमा इंजीनियरिंग पास युवा भी आवेदन कर रहे हैं। कर्मचारी चयन मंडल की अब तक की रिपोर्ट के अनुसार 7,500 पदों के लिए 9.76 लाख आवेदन जमा हो चुके हैं। भर्ती परीक्षा 30 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी।

पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबलों की सीधी भर्ती के लिए जमा कराए जा रहे ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो गई है। 15 सितंबर 2025 से शुरू हुए ऑनलाइन आवेदन जमा कराने का काम पहले 29 सितंबर तक चला। इसके बाद इसे एक हफ्ते तक यानी 6 अक्टूबर तक के लिए आगे बढ़ा दिया गया था।

एक पद के लिए 13 हजार युवा दावेदार

पुलिस आरक्षक भर्ती में आवेदन करने वाले 42 युवा ऐसे हैं, जिन्होंने पीएचडी कर रखी है, लेकिन बेरोजगार होने के कारण आरक्षक बनने को तैयार हैं। इसी तरह 12 हजार इंजीनियरों ने आरक्षक बनने के लिए आवेदन किया है। आरक्षक के एक पद के लिए 13 हजार युवा दावेदार हैं।

युवाओं के लिए डिग्री पाना आसान, नौकरी नहीं

पूर्व परिवहन आयुक्त और रिटायर्ड आईपीएस अफसर शैलेंद्र श्रीवास्तव कहते हैं कि आरक्षक पद के लिए इतनी संख्या में आवेदन आए हैं, उसके पीछे एमपी समेत देश भर में बेरोजगारी मुख्य वजह है। जहां तक बात इंजीनियर और पीएचडी होल्डर्स की है तो इसमें हकीकत यह है कि युवाओं को आसानी से डिग्री मिल जाती है, इसलिए वे पूरी तरह से एक्सपर्ट न होने के कारण आसान नौकरी तलाशते हैं।

क्वालिटी ऑफ एजुकेशन सही नहीं होने से यह हालात

शैलेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में इंजीनियरिंग कालेजों की बात करें तो मशरूम की तरह संचालित इन कॉलेजों में सही पढ़ाई नहीं होती है। इसलिए ऐसे युवाओं को विषय वस्तु का ज्ञान नहीं होता है और उन्हें लगता है कि जो नौकरी आसानी से मिल जाए, वही करने लगो। कई बार बोर्ड में बैठ चुका हूं और इंटरव्यू ले चुका हूं, जिसमें सवाल करने पर पाया है कि जो डिग्री है उसकी पढ़ाई की पूरी जानकारी आवेदकों को नहीं होती है। कुल मिलाकर क्वालिटी ऑफ एजुकेशन सही नहीं होने से यह स्थिति बनी है।

आवेदन करने वाले युवाओं की उम्मीद

इंजीनियरिंग की, लेकिन जॉब नहीं मिली
उमरिया जिले के चंदिया निवासी रामकुमार तिवारी का कहना है कि इंजीनियरिंग की डिग्री ली थी, लेकिन कहीं जॉब नहीं मिल रही थी। इसलिए आरक्षक पद के लिए आवेदन कर दिया है। नौकरी पाने के लिए आवेदन करने के बाद दौड़ लगाना भी शुरू कर दिया है ताकि अगर रिटन परीक्षा में पास हो जाऊं तो फिजिकल टेस्ट में दिक्कत न हो।

अन्य कोई जॉब समझ नहीं आ रही थी, इसलिए आवेदन दिया

एमबीए कर रहे ईशान अवस्थी ने कहा कि उन्हें पारिवारिक हालातों के चलते जॉब की जरूरत है। अभी कोई जॉब समझ में नहीं आ रही है, इसलिए परीक्षा आवेदन कर दिया है। पीजी कर चुके तन्मय सिंह परिहार कहते हैं कि मेरे परिवार के कुछ सदस्य पहले से पुलिस विभाग में हैं। इसलिए मैंने भी पुलिस आरक्षक के लिए आवेदन किया है। सब इंस्पेक्टर के पद के लिए भी आवेदन करूंगा।

चयन के लिए पहले लिखित परीक्षा

पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में चयन के लिए जो मापदंड तय किए गए हैं उसमें पहले लिखित परीक्षा होगी। इसके बाद शारीरिक फिटनेस परीक्षण किया जाएगा और इसमें सिलेक्ट होने वाले उम्मीदवारों के दस्तावेज सत्यापन की कार्यवाही के बाद नियुक्ति दी जाएगी। परीक्षा हाईस्कूल स्तर की योग्यता पर आधारित होगी। चयनित कॉन्स्टेबलों को 19,500 रुपए से 62,000 रुपए तक मासिक वेतन मिलेगा।

बड़े तालाब की हद जानने निकलेंगे 15 पटवारी

कितने बने मैरिज गार्डन, फैक्टरी, कॉलेज-फार्म हाउस जांच में सब चलेगा पता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब की हद जानने के लिए बुधवार को 15 पटवारी निकलेंगे। उनके साथ तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक भी होंगे। सीमांकन में पता लगेगा कि बड़ा तालाब किनारे कितने मैरिज गार्डन, फैक्टरी, कॉलेज, स्कूल, फार्म हाउस या घर बने हैं? इनमें से कितने तालाब की जद में आ रहे हैं।

बुधवार से प्रशासन फिर से सीमांकन कार्य शुरू करेगा। बैरागढ़ की तरफ बड़ा तालाब में टीम सीमांकन करने उतरेगी। झील क्षेत्र में जिला व नगर निगम प्रशासन, टीएडंसीपी, वन विभाग की टीम ने कुछ दिन पहले सीमांकन किया था। 3 दिन में रेतघाट से लेकर खानूगांव तक सीमांकन किया जा चुका है। यहां पर कई कब्जे हैं।

नप्ती में पता चलेगा कि किसका कब्जा- प्रशासन जब नप्ती करेगा, तब ही पता चल पाएगा कि किसने झील क्षेत्र में मैरिज गार्डन, कारखाने, स्कूल, कॉलेज, फॉर्म हाउस व घरों का निर्माण किया है। बता दें कि एक बार फिर भोजवैट लैंड के आदेश पर प्रशासन की ओर सीमांकन व नप्ती की जाएगी। इससे पहले भी सर्वे सीमांकन हुए हैं, लेकिन कब्जों पर प्रशासन का बुलडोजर नहीं चल सका है।

भैंसाखेड़ी तक सीमांकन होगा

बैरागढ़ तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह ने बताया कि खानूगांव में जिस जगह पर सीमांकन खत्म किया गया था, उसी जगह से जिला प्रशासन, नगर निगम, टीएडंसीपी, वन विभाग के अधिकारी व पटवारियों की टीम सीमांकन शुरू करेगी। बैरागढ़ क्षेत्र में भैंसाखेड़ी तक सीमांकन किया जाएगा।

टीटी नगर, हुजूर, शहर वृत से लगे हिस्से का सीमांकन शुरू नहीं

प्रशासन ने अभी बैरागढ़ इलाके में ही तालाब का सीमांकन करना शुरू किया है। टीटी नगर, हुजूर, शहर वृत एसडीएम ने सीमांकन कार्य शुरू नहीं कराया है। तालाब का क्षेत्र बैरागढ़ के अलावा टीटी नगर, हुजूर, शहर वृत में भी आता है।

पति ने मोबाइल झपटकर छीना, आरोपी फरार

टूटी दीवार के झरोखे से महिला के वीडियो बना रहा था पड़ोसी

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र के एक गांव में पड़ोस में रहने वाला युवक टूटी दीवार के झरोखे से महिला के अंतरंग पल के वीडियो बनाने का प्रयास कर रहा था। दीवार में लगी पन्नी की आहट होने पर महिला को संदेह हुआ। उसने अपने पति को जानकारी दी। तीसरी बार जब आरोपी वीडियो बनाने लगा तो पति ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। बाद में दोनों के बीच झूमाझटकी हुई और आरोपी अपना मोबाइल लेकर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता किसी कार्यक्रम में शामिल होने अपने मायके चली गई थी। लौटने के बाद बैरसिया थाने में पड़ोसी युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है।

पुलिस के मुताबिक बैरसिया के एक गांव में रहने वाली महिला के घर की एक दीवार पिछले दिनों टूट गई थी। महिला और उसके पति ने टूटी दीवार वाले हिस्से में आड़ के लिए पन्नी लगा दी। दीवार के दूसरी ओर पड़ोसी किशन के घर का बाथरूम है।

दीवार के टूटे हिस्से से बनाया वीडियो

विगत 22 सितंबर की रात दीवार के टूटे वाले हिस्से से मोबाइल डालकर किशन ने महिला के वीडियो बना लिए। रात नौ बजे से साढ़े 11 बजे के बीच आरोपी ने तीन बार मोबाइल से वीडियो बनाए। पहली बार पन्नी की आहट होने पर महिला को संदेह हुआ था। उसने अपने पति को यह बात बताई। तीसरी बार जब आरोपी मोबाइल से वीडियो बनाने लगा तो महिला के पति ने उसका हाथ पकड़कर मोबाइल छीन लिया।

प्राचार्य ने मामले की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी को भेजी

शिक्षकों के पास पहुंच रहे सायबर ठगों के कॉल, सतर्क रहने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के जहांगीराबाद स्थित शासकीय महाराणा प्रताप माध्यमिक विद्यालय में सायबर ठगी के प्रयास का मामला सामने आया है। इसके साथ ही कुछ शिक्षकों के पास संदिग्ध कॉल पहुंचे हैं।?जिसके बाद स्कूल शिक्षा विभाग अलर्ट हो गया है और शिक्षा विभाग ने इस घटना को साइबर फ्रॉड मानते हुए जांच और निगरानी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके साथ ही विभाग ने सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, स्कूल के प्राचार्य महेंद्र प्रताप उब्बर ने इस मामले की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी को भेजी है। ठग ने सर जी नाम से फोन कर खुद को विभाग से जुड़ा बताते हुए स्कूल फंड की जानकारी मांगी। विद्यालय प्रशासन ने इसे गंभीर मानते हुए समस्त शिक्षकों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं और अन्य स्कूलों को भी ऐसे फ्रॉड कॉल्स से सावधान रहने की सलाह दी है। कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्कूल फंड ट्रांसफर और बैंक खाते की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की। जब शिक्षकों को शक हुआ तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना प्राचार्य को दी। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने फ्रॉड कॉल्स की सूची तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट भेजी। सभी स्टाफ सदस्यों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी कॉल पर बैंक या फंड से जुड़ी जानकारी साझा न करें और हर संदिग्ध कॉल की तुरंत रिपोर्ट करें।

बीमारी से परेशान युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम नलखेड़ा में मंगलवार दोपहर 21 साल की युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह बीमार रहती थी और उसका मानसिक संतुलन भी बिगड़ता जा रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है। एसआई आरसी मीना ने बताया कि ग्राम नलखेड़ा निवासी नारायण सिंह और उनका परिवार मेहनत-मजदूरी करता है। उनकी 21 साल की बेटी रचना बाई काफी समय से बीमार रहने लगी थी। उनका मानसिक संतुलन भी दिन ब दिन खराब होता जा रहा था। परिजनों का कहना है कि रचना डिप्रेशन में थी। मंगलवार सुबह से ही परिवार के सभी लोग अपने-अपने काम पर चले गए थे। रचना घर में अकेली थी। दोपहर करीब दो बजे पिता घर लौटे तो उन्होंने बेटी को फांसी के फंदे पर लटके देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे।

सड़कों पर आकर बड़े विरोध प्रदर्शन की चेतावनी

गौ मांस व्यापार के विरोध में विहिप-बजरंग दल ने किया थानों का घेराव

भोपाल। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल भोपाल विभाग द्वारा राजधानी भोपाल में गौ हत्या, गौ मांस व्यापार, गौ तस्करी के विरोध में प्रदर्शन किया गया।?इस दौरान भोपाल के 23 थानों को एक साथ एक समय पर घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।?

विभाग मंत्री जीवन शर्मा ने कहा कि राजधानी भोपाल एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में गोवंश हत्या, गौ मांस एवं गोवंश की तस्करी की घटना निरंतर सामने आ रही है।?पिछले दिनों राजधानी भोपाल के ऐशबाग, हबीबगंज, निशातपुरा, परवलिया सड़क, बिलखिरिया, सुखी सेवनिया थाना क्षेत्र में गौ वंश हत्या एवं गौ मांस तस्करी की घटनाएं सामने आई हैं। इन गौ वंश हत्याओं की घटनाओं से राजधानी भोपाल के सकल हिंदू समाज में आक्रोश व्याप्त है।? इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल भोपाल विभाग मांग करता है कि भोपाल जिला प्रशासन एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन इन घटनाओं के विरुद्ध ना सिर्फ कठोर कार्यवाही करे बल्कि भविष्य में इनकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कठोर कदम उठाए।? ज्ञापन में मांग की गई है कि जिला प्रशासन-पुलिस प्रशासन गौ वंश हत्यारों व गौ वंश तस्करों के विरुद्ध कठोरता से स्वतः कार्यवाही करे।

मेट्रो एंकर

हास्य और व्यंग्य से भरपूर सिंधी रंगमंच की नाट्य प्रस्तुतियां

पेंट्री कार के बावजूद रिश्तेदारों से टिफिन मंगवाना...

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारत भवन के प्रतिष्ठित अंतरंग सभागार में तृतीय अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का आयोजन हुआ। रंग, हास्य और व्यंग्य की अद्भुत छटा बिखेरता यह दो दिवसीय आयोजन मध्यप्रदेश सिंधी अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद एवं भारत भवन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन सिंधी रंग समूह, भोपाल और मनोहर अगनानी एवं परिवार द्वारा किया गया। यह नाट्य समारोह दिवंगत वरिष्ठ रंगकर्मी सुंदर अगनानी की स्मृति में आयोजित किया गया है। समारोह के पहले दिन तीन संक्षिप्त और प्रभावशाली नाटकों का मंचन हुआ, जिनमें हास्य और व्यंग्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुति, भाषा की सहजता, और नाटकों के संदेश की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी और रंग निर्देशक अशोक बुलानी को सुंदर अगनानी स्मृति सम्मान

से सम्मानित किया गया।

सेण जो टिफिन: नंदनी पंजवानी द्वारा निर्देशित और अशोक मनवानी द्वारा लिखित इस नाटक की प्रस्तुति ज्योति कला संस्थान, जयपुर के कलाकारों ने दी। नाटक में दिखाया गया कि आज के आधुनिक युग में जब रेलवे स्टेशन पर फूड प्लाजा, पैंट्री कार और ऑनलाइन फूड डिलीवरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, तो फिर भी रिश्तेदारों खासतौर पर समधी से टिफिन मंगवाना क्यों जारी है? कहानी एक ऐसे व्यक्ति पर केंद्रित है जो बार-बार अपने समधी से रेलवे स्टेशन पर टिफिन बुलवाता है। यह स्थिति तब हास्यपद बन जाती है जब वह खुद उसी जाल में उलझ जाता है जिसे वह वर्षों से दूसरों के लिए बुन रहा था। कलाकारों ने संवादों में सिंधी भाषा की मिठास को बनाए रखते हुए, दर्शकों को भावनाओं की गहराई में डुबो दिया।

धूड़ि पाती रिटायर थी : समारोह में दूसरी प्रस्तुति सिंधुड़ी यूथ विंग, नागपुर के कलाकारों ने नाटक धूड़ि पाती, रिटायर थी की दी। किशोर लालवानी की रचना को तुलसी सेतिया ने निर्देशित किया। इस नाटक में मुख्य पात्र एक सेवानिवृत्त बुजुर्ग हैं, जिनकी दुनिया नौकरी छोड़ने के बाद अचानक बदल जाती है। हास्य और व्यंग्य के माध्यम से यह प्रस्तुति बताती है कि व्यक्ति का लालची स्वभाव उसे किस तरह से परेशानी में डाल सकता है। नाटक में पति-पत्नी के बीच की नोंक-झोंक को बड़ी ही खूबसूरती के साथ मंच प्रस्तुत किया गया। इसमें पत्नी द्वारा रिटायर्ड पति को लगातार इस बात का एहसास दिलाया जाता है कि वह किसी काम का नहीं है और नकारा है। ऐसे में रिटायर्ड आदमी अधिक पैसे कमाने की अपेक्षा में गलत रास्ते पर चलना शुरू कर देता है। मंच पर कलाकारों ने शानदार टाइमिंग और सहज अभिनय के ज़रिये नाटक को जीवंत कर दिया। दर्शकों ने कई बार ठहाके लगाए, वहीं कुछ क्षण ऐसे भी आए जहाँ कहानी ने संवेदनाओं को छू लिया।

पीअ-प्यादो पुट्र शहजादो: इस व्यंग्य प्रधान नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी अशोक बुलानी ने किया। यह नाटक एक ऐसे व्यक्ति की कथा है जो अपने बेटे को शहजादा समझता है, जबकि वह खुद व्यर्थता और आलस्य में लिप्त है। यह प्रस्तुति आज के युवा वर्ग की मानसिकता और अभिभावकों की अपेक्षाओं के टकराव को दर्शाती है। कलाकारों ने अपनी संवाद अदायगी और शारीरिक हाव-भाव के माध्यम से पात्रों को सजीव किया।

व्यवसाय नहीं सेवा का दूसरा नाम है आयुर्वेद चिकित्सा : वैद्य चंद्रशेखर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आयुर्वेद चिकित्सा व्यवसाय नहीं एक सेवा भावना है जो रोगियों को सहज सरल और सस्ती चिकित्सा प्रदान कर उन्हें आरोग्य और स्वस्थ्य जीवन प्रदान करने का लक्ष्य लेकर चलती है। यह उदगार हैं वरिष्ठ वैद्य

और आयुर्वेद चिकित्सक चंद्र शेखर तिवारी संचालक अखंड आयुर्वेद भवन मोहबे भोपाल के जो अयोध्या नगर दशहरा मैदान में शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित 35 वें श्वास ,दमा एवं मिक प्रभावित रोगियों के लिए आयोजित निःशुल्क दवा वितरण शिविर में अपने विचार प्रकट कर रहे थे। कार्यक्रम में विश्वास कैलाश सारंग मंत्री ने इस परोपकारी कार्य की हृदय से प्रशंसा करते हुए बधाई दी। आयोजन में उपस्थित मालती राय महापौर ने कहा कि हम आयुर्वेद के प्रचार प्रसार हेतु पार्कों में औषधियों के पौधे बारकोड के साथ लगा रहे हैं जिससे युवा पीढ़ी अपनी पुरातन चिकित्सा परम्परा को जान सके। इस आयोजन में वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार अशोक कुमार धमेनियाँ, घनश्याम मैथिल अमृत और वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश शर्मा ने भी संबोधित करते हुए अपने महत्वपूर्ण विचार रखे।

सीएम की मौजूदगी में मप्र और फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के बीच हुआ एमओयू

प्रदेश में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेन्टर, सम्मेलनों की मेजबानी का होगा मंच

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेन्टर स्थापित करने के लिये कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश और स्पेन के फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के बीच एमओयू हुआ। यह केन्द्र न केवल नवाचार एवं स्मार्ट शहरी समाधानों को प्रोत्साहित करेगा बल्कि वैश्विक स्तर के आयोजनों और निवेश सम्मेलनों की मेजबानी का मंच भी बनेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इसी साल जुलाई में स्पेन प्रवास के दौरान संस्थान के पदाधिकारियों से चर्चा हुई थी और उन्होंने निवेशकों को मध्यप्रदेश आमंत्रित किया था।

इस अवसर पर स्पेन के राजदूत श्री जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल तथा फीरा बार्सिलोना इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रिचर्ड जपाटेरो और संस्था के भारत प्रतिनिधि श्री मुकेश अरोरा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से स्पेन के राजदूत श्री जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल ने विस्तार से चर्चा की।

यह एमओयू दोनों पक्षों के बीच सांस्कृतिक-व्यापारिक रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा और मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन, एक्जीबिशन और व्यापार संबंधी संवाद, निवेश सम्मेलनों के लिए विश्वस्तरीय अधोसंरचना विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस साझेदारी से वैश्विक निवेशकों ओर हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। मध्यप्रदेश का लक्ष्य वैश्विक केन्द्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक सशक्त बनाना है। विशेष रूप से स्मार्ट शहरी समाधान, प्रौद्योगिकी और व्यापार संबंधी प्रदर्शनियों के आयोजन के क्षेत्र में राज्य अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय मानकों और अवसरों के अनुरूप विकास कर सकेगा। यह एमओयू औद्योगिक और निवेश गतिविधियों के नये क्षितिजों को जोड़ने वाला साबित होगा।

मप्र बनायेगा वैश्विक पहचान: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। ना सिर्फ उद्योग, व्यापार वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए बल्कि संपूर्ण अर्थव्यवस्था की दृष्टि से मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति बेहद लाभकारी सिद्ध हुई है। मध्य प्रदेश आने वाले वर्षों में दिल्ली क्षेत्र के विकल्प की दृष्टि से भी आवश्यक अधोसंरचना का विकास कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में इंदौर और भोपाल दो मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के बाद जबलपुर और ग्वालियर के मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के विकास की तैयारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेन के बार्सिलोना शहर में विकास की विशिष्ट प्लानिंग की गई है। वहां इस वर्ष की गई अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास के साथ विरासत के संरक्षण का संदेश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिया है। स्पेन के बार्सिलोना जैसे शहर भी प्राचीन वैभव को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध दिखते हैं। मध्यप्रदेश में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा बताए मॉडल और बार्सिलोना के संदेश को अपनाया जा रहा है। स्पेन के राजदूत श्री पुजोल ने कहा कि अच्छी लीडरशिप और संगठन तथा प्रबंधन क्षमता से भारत और स्पेन मिलकर बेहतर कार्य करेंगे।

बिहार के बाद मप्र में एसआईआर की तैयारी

बीजेपी के पन्ना प्रमुख से मुकाबला करेंगे कांग्रेस के बीएलए, मिलेंगे हर वोटर से

भोपाल, दोहपर मेट्रो

एमपी के चुनावों में लगातार हार के बाद कांग्रेस अब वोटर लिस्ट सुधार को लेकर तेजी से काम कर रही है। बीजेपी के पन्ना प्रमुखों के मुकाबले कांग्रेस अब हर बूथ पर बीएलए तैनात कर रही है। 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने प्रदेशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 को लेकर रणनीति तैयार कर ली है। कांग्रेस अब केवल प्रचार तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि मतदाता सूची के हर पन्ने और हर नाम पर अपनी निगरानी रखने पर तेजी से काम करेगी।

नाम जुड़वाने, कटवाने की ट्रेनिंग देंगे

कांग्रेस सभी बीएलए को निर्वाचन आयोग की प्रक्रियाओं जैसे फॉर्म-6 (नाम जोड़ना), फॉर्म-7 (नाम हटाना), फॉर्म-8 (सुधार) और फॉर्म-8 (स्थानांतरण) की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगी। कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट सीधे बूथ लेवल ऑफिसर के संपर्क में रहेंगे। आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार बीएलओ घर-घर जाकर एनेक्सचर-ष्ट भरवाएंगे, जो मतदाता की पात्रता प्रमाणित करने का दस्तावेज होगा। कांग्रेस ने अपने बीएलए को यह जिम्मेदारी दी है कि वे इस सर्वे में शामिल होकर हर वोटर का विवरण सही तरीके से दर्ज करवाएं।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस की तैयारी

- हर मतदान केंद्र पर कम से कम एक प्रशिक्षित बीएलए की नियुक्ति।
- मतदाता सूची के संशोधन और दावे-आपत्ति अवधि में सक्रिय भागीदारी।
- पात्र युवाओं और पहली बार वोट डालने वालों को पंजीकृत कराने का अभियान।
- मृत मतदाताओं या स्थानांतरित व्यक्तियों के नाम हटवाने के लिए साक्ष्य आधारित आपत्तियाँ।
- महिला मतदाताओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम।

एमपी के 5 करोड लोगों के हस्ताक्षर कराने चलेगा अभियान | वोट चोर-गद्दी छोड़ कार्यक्रम के तहत एमपी में 5 करोड़ लोगों के हस्ताक्षर कराने एक अभियान चलाया जाएगा। इस हस्ताक्षर अभियान के लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने एमपी की सभी 230 विधानसभाओं के प्रभारी नियुक्त किए हैं।

हर विसमें बनेगा कांग्रेस कंट्रोल रूम

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हर जिले और विधानसभा क्षेत्र में 'मतदाता सूची नियंत्रण कक्ष' बनाएगी। जो निर्वाचन आयोग की वेबसाइट और ऑफलाइन मतदाता सूची दोनों से डेटा एकत्र करेगा। इस कंट्रोल रूम से वोटर लिस्ट में छूटे नामों की रिपोर्ट तैयार की जाएगी। कंट्रोल रूम पार्टी के हर बीएलए से फीडबैक लेगा। और स्थानीय स्तर पर शिकायतों का समाधान कराने पार्टी स्तर पर सूचित करेगा।

कांग्रेस के समर्थक वोटर्स के काटे गए थे नाम

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पिछले चुनावों में बड़ी संख्या में समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटे पाए गए थे। इस बार कांग्रेस ने उस गलती को न दोहराने का संकल्प लिया है।

जिन 3 मेट्रो स्टेशन को लेकर आपत्ति, उन पर मंथन

भोपाल की ब्लू लाइन पर स्टेशनों को कवर्ड करने का सुझाव, दिल्ली में भी हुआ ऐसा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल में ब्लू लाइन के जिन 3 मेट्रो स्टेशन को लेकर आपत्ति सामने आई है, उन पर मंथन तेज हो गया है। पुलिस ने 14 में से तीन स्टेशन- कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल), लाल परेड ग्राउंड और रोशनपुरा स्टेशन को प्रस्तावित जगह से शिफ्ट करने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद मेट्रो अफसरों ने भी अपने तर्क और सुझाव दिए हैं।

अफसरों का कहना है कि तीनों स्टेशनों को कवर्ड करने की बात कही गई है। दिल्ली में भी ऐसे स्टेशन है। इससे न तो पैसेंजर को कोई दिक्कत होगी और न ही कार्यक्रमों में कोई व्यवधान आएगा। हालांकि, संयुक्त बैठक में ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसके बाद आगे की प्रक्रिया होगी।

बता दें कि मिंटो हॉल में बड़े राजनीतिक और सरकारी इवेंट्स होते हैं तो लाल परेड ग्राउंड पर स्वतंत्रता-गणतंत्र दिवस के आयोजन और बड़ी सभाएं होती हैं। पुलिस के साथ हुई दो बैठकों के बाद शिफ्टिंग को लेकर कवायद की जा रही है। बाकी 11 स्टेशन को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। तीनों स्टेशन को लेकर बीच का रास्ता निकाला जा रहा है।

इधर, ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर कमर्शियल रन किए जाने की तैयारियां की जा रही है। इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो को हरी झंडी दिखाने आ सकते हैं। इससे पहले 25 सितंबर को कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (ष्टरूक्रस्) की टीम भोपाल आ चुकी है। जिसने एम्स से सुभाषनगर के बीच 6.22द्मद्व हिस्से का निरीक्षण किया था।

अब दूसरी टीम भी जल्द आने वाली है। इसके बाद दोनों टीमों की कॉमन रिपोर्ट सामने आएगी। निरीक्षण में यदि सबकुछ पैमाने और सुरक्षा के लिहाज से परफेक्ट मिलता है तो सीएमआरएस की टीम %ओके% रिपोर्ट देगी। इसके बाद कॉमर्शियल रन की तारीख तय कर दी जाएगी।

सीएमआरएस की दूसरी टीम को लेकर मेट्रो एमडी का निरीक्षण

कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की दूसरी टीम जल्द ही भोपाल पहुंचने वाली है। इसके चलते मंगलवार को मेट्रो एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने स्टेशनों का निरीक्षण किया। स्टेशनों पर यात्रियों से संबंधित सुविधाएं जैसे- एंट्री-एक्जिट, लिफ्ट, एस्कलैटर, प्रसाधन सुविधाएं, कंट्रोल रूम, फायर सेफ्टी ट्रैक और पॉवर सप्लाई सिस्टम, टेलीकॉम व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि देखा। इधर, प्रायोरिटी कॉरिडोर में कमर्शियल रन की तैयारियों के बीच ब्लू लाइन और ऑरेंज लाइन के दूसरे फेस के काम में 5 बड़ी अड़चनें भी हैं। इन्हें भी दूर किया जा रहा है।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान

पशुपालकों के बीच पहुंचीं मंत्री, दिए महत्वपूर्ण सुझाव बताया पशु आहार का महत्व

भोपाल। मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दुगुना करने के विजन को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 2 अक्टूब से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की शुरुआत की है, जो 9 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के ग्राम कमलखेड़ा पहुंची। जहां उन्होंने पशुपालकों से घर जाकर सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने उन्नत पशुपालन, पोषण और पशु स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

मंत्री भूरिया ने पशुपालक चावड़ा से उनके घर पहुंचकर संवाद किया। इस दौरान मंत्री भूरिया ने उन्हें उन्नत नस्ल के पशुपालन, हरा चारा, और संतुलित पशु आहार के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और उच्च उत्पादकता वाले पशु ही दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सपना है कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जाए और इसी दिशा में यह अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने पहल

मंत्री भूरिया ने बताया कि 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक चल रहे इस राज्यस्तरीय अभियान के अंतर्गत उन पशुपालकों से सीधी भेंट की जा रही है जिनके पास 10 या अधिक मादा पशु हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध समृद्धि केवल पशुपालन नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस पहल है। नोडल अधिकारी डॉ. मगनानी ने पशुपालकों को कृत्रिम गभार्धान, पशु पोषण और उपचार के विषय में तकनीकी जानकारी दी। उप संचालक पशुपालन डॉ. ए.एस. दिवाकर ने सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक की जानकारी दी, जिससे 90त्न तक बछिया प्राप्त होने की संभावना होती है। उन्होंने पशुपालकों को संतुलित पशु आहार अपनाने और सांची दुग्ध संघ को दूध प्रदाय करने के लिए प्रेरित किया। ग्राम कमलखेड़ा के अन्य पशुपालक भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने अभियान से जुड़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के दिवंगत कर्मचारी रामगोपाल अहिरवार के निवास पहुंचकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त कर परिजनों को सांत्वना प्रदान की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन की तरफ से परिवार को आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की। खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा परिवार सदैव अपने प्रत्येक सदस्य के सुख-दुख में सहभागी होता है और इस कठिन समय में पार्टी पूरे परिवार के साथ है।

पुलिस भर्ती के नियम में बड़े बदलाव

बाहरियों को दिया फायदा एमपी वालों को कुछ नहीं...

भोपाल। एमपी पुलिस में आठ वर्ष बाद सूबेदार और उपनिरीक्षक के पदों पर भर्ती प्रारंभ होने से युवा खुश हैं तो इस बात से नाराज भी हैं कि अन्य राज्यों के युवाओं को भी प्रदेश के युवाओं की तरह अवसर दिए गए हैं। अधिकतम आयु सीमा प्रदेश व बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए बराबर रखी गई है। इसके पहले हुई परीक्षा में अन्य राज्य के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 28 वर्ष और एमपी के अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए 33 वर्ष होती थी। अब बाहर वालों के लिए भी 33 वर्ष की सीमा ही रखी गई है। उन्हें एमपी में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाता, यानी वे यहां अनारक्षित श्रेणी में आवेदन करेंगे।

27 अक्टूबर शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

कर्मचारी चयन मंडल ने सोमवार को भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया है। इसके लिए 27 अक्टूबर से आवेदन किए जा सकेंगे। प्रारंभिक लिखित परीक्षा नौ जनवरी 2026 को होगी। सूबेदार के 28, विशेष सशस्त्र बल में उप निरीक्षक के 95 और जिला पुलिस बल व अन्य के 377 पदों को मिलाकर 500 पदों पर भर्ती हो रही है।

मेट्रो एंकर

उज्जैन सिंहस्थ 2028 हैकाथॉन के लिए 11 राज्यों का रजिस्ट्रेशन

स्मार्ट मोबिलिटी, सिक्योरिटी और सफाई पर सरकार का फोकस

भोपाल, दोहपर मेट्रो

उज्जैन सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा पर फोकस कर रही सरकार नवाचार के मामले में कोई कसर बाकी नहीं रखना चाह रही है। इसी के चलते सिंहस्थ में स्मार्ट मोबिलिटी और एक्सेस मैनेजमेंट, सिक्योरिटी, निगरानी और आपातकालीन मैनेजमेंट, स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन, डिजिटल अनुभव और सांस्कृतिक विसर्जन को लेकर नवाचार के क्षेत्र में नए प्रयोग करने की तैयारी है। इस हैकाथॉन में मध्यप्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों से कुल 1,726 रजिस्ट्रेशन मिले। इसको लेकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन-2025 का ग्रैंड फिनाले का आयोजन 8 और 9 अक्टूबर को भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) भोपाल में किया जाएगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के अनुसार उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि वास्तविक चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए देश के प्रतिभाशाली नवप्रवर्तकों को एकजुट करने का एक मिशन है। सिंहस्थ 2028 में लाखों तीर्थयात्रियों की उपस्थिति की संभावना के दृष्टिगत हमारा लक्ष्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से उनकी सुरक्षा, दक्षता और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करना है। यह हैकाथॉन नवाचार के साथ परंपरा को सशक्त बनाने और वैश्विक स्तर पर जरूरी मानी जाने वाली दिक्कतों के समाधान का एक मौका है। सिंहस्थ ऐसा प्रमुख आयोजन है, जो लाखों श्रद्धालुओं, साधु-संतों और पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस आयोजन की जटिल रसद, अवसंरचना और सांस्कृतिक चुनौतियों के समाधान के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन-2025 की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य डेवलपर्स, शोधकताओं, उद्यमियों और छात्रों की प्रतिभा को एकजुट कर प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करना है जो तीर्थयात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करे। जून 2025 में शुरू हुए इस हैकाथॉन में मध्यप्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों से कुल 1,726 रजिस्ट्रेशन मिले। इसमें उद्योग जगत से 92, स्टार्टअप्स से 303 और शिक्षा क्षेत्र से 1,300 से अधिक एंट्री शामिल हैं। मूल्यांकन के बाद 932 में से 240 प्रोटोटाइप विकसित किए गए और 36 उत्कृष्ट टीम ग्रैंड फिनाले के लिए चुनी गईं।

आईआईएसईआर में कल से दो दिन तक आएंगे दावे

आईआईएसईआर भोपाल में आयोजित होने वाले दो दिवसीय ग्रैंड फिनाले में 36 टीम अकादमिक, सरकारी और उद्योग विशेषज्ञों की प्रतिष्ठित जूरी के समक्ष अपने कार्यशील प्रोटोटाइप प्रस्तुत करेंगी। ये समाधान चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। जिसमें स्मार्ट मोबिलिटी और एक्सेस मैनेजमेंट, सुरक्षा, निगरानी और आपातकालीन प्रतिक्रिया, स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन और डिजिटल अनुभव और सांस्कृतिक विसर्जन शामिल हैं। आयोजन के समापन पर शीर्ष तीन विजेता टीमों को क्रमश: 8 लाख, 5 लाख और 3 लाख के नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

खत्म हो संघर्ष

इस्राइल और हमास को लड़ते हुए दो साल हो गए। इस संघर्ष ने 65 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली और लाखों को विस्थापित कर दिया। इस बार अमेरिका ने शांति का प्लान तैयार किया है और दुनिया की नजरें इजिप्ट में हो रही वार्ता पर टिकी हैं।

सबसे लंबा संघर्ष: इस्राइल-फलस्तीन विवाद एक सदी से भी अधिक समय से सुलग रहा है। 1948 में इस्राइल के नक्शे पर आने के बाद यह इलाका कई युद्ध और संघर्ष देख चुका है, लेकिन मौजूदा संकट जितना लंबा कोई भी नहीं चला। इन दो बरसों के दौरान कई ऐसे मोड़ आए, जब लगा कि यह संघर्ष भयानक युद्ध का रूप लेकर पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में लेगा।

ट्रंप का प्लान: शांति की राह में सबसे बड़ी रुकावट दोनों पक्षों का एक-दूसरे पर अविश्वास है। न इस्राइल को हमास पर भरोसा है और न अरब वर्ल्ड इस्राइल पर यकीन कर पा रहा है। संघर्षविराम के पिछले सारे प्रयास इसी वजह से किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाए। हालांकि इस बार बात अलग है। यह प्लान ट्रंप सरकार ने बनाया है, जो अभी तक इस्राइल को खुली छूट दिए हुए था। सबसे बड़ी बात, इसमें फलस्तीनी अथॉरिटी के लिए जगह छोड़ी गई है।

समझदारी दिखाएं: अमेरिकी दबाव में ही सही, इस्राइल का इस बिंदु पर सहमत होना बड़ा बदलाव है। वहीं, हमास का प्लान को स्वीकार करते हुए बातचीत की मेज पर आना भी सकारात्मक कहा जा सकता है, क्योंकि अभी तक वह ऐसे प्रस्तावों को सिरे से खारिज करता रहा है। किसी भी बातचीत के सफल होने के लिए लचीलापन जरूरी है। अब उम्मीद ही की जा सकती है कि दोनों पक्ष समझदारी दिखाएंगे।

जल्दबाजी में काम न बिगड़े: यहां अहम है कि ट्रंप तुरंत कोई परिणाम चाहते हैं। उनके हिसाब से इस हफ्ते के आखिर तक पहले दौर की योजना पूरी हो जानी चाहिए। लेकिन शायद इतनी आशा पालना भी सही नहीं। इस्राइल और हमास के अलावा भी गाजा से जुड़े कई पक्ष हैं, और जब तक सभी संतुष्ट नहीं हो जाते, कोई नतीजा निकलना मुश्किल है।

गाजा की मांग: दुनिया को याद रखना चाहिए कि गाजा जियो-पॉलिटिकल एक्सपेरिमेंट की जगह नहीं है, जहां किसी प्लान की जोर-आजमाइश की जाए। यह 20 लाख से अधिक लोगों का घर है, जो दशकों से वैश्विक ताकतों के बीच पिसते आ रहे हैं। कहीं और रहने वालों को जो मिलता है - सम्मान, सुरक्षा और पहचान, यही इनकी भी मांग है।

वायु सेना दिवस पर विशेष

भारतीय वायु सेना: दुश्मनों के लिए कहर, अपनों के लिए प्यार

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

भारतीय वायु सेना दक्षिण एशिया में एक प्रमुख शक्ति है, दुश्मनों पर जिसक खौफ़ है, तो मैत्री देशों में जिसकी इज्ज़त भी है, वहीं पूरे देश को अपनी वायुसेना पर गर्व है। ये वही भारतीय वायु सेना है जिसने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक करने के बाद ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए पाकिस्तान में लंका दहन करके सबक सिखाया था। पाकिस्तानी मीडिया डिबेट में भारतीय वायु सेना के लिए कहा जाता है कि बांकी तो सब ठीक है, परंतु भारत की वायु सेना से पार पाना बच्चों का खेल नहीं है, भारत की वायु सेना कहर बनकर टूटेगी, और कई बार हुआ ऐसा ही है जब भारत की एयर फोर्स पाकिस्तान पर कहर बनकर टूट चुकी है। कहने में गुरेज नहीं है कि भारत की सुरक्षा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भारतीय वायु सेना ही निभाती है, आज 08 अक्टूबर को वायु सेना दिवस मनाया जाता, अपनी सेना के प्रति पूरा देश कृतज्ञता का भाव व्यक्त करता है वायु सेना दिवस का प्रमुख उद्देश्य यही है।

भारतीय वायु सेना पर गर्व करने के कारण कई हैं, चूंकि सेना के नाम पर कई कीर्तिमान दर्ज हैं। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के साथ 1947-48, 1965, 1971 बांग्लादेश युद्ध और 1999 कारगिल युद्ध के साथ-साथ चीन के साथ एक युद्ध में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारतीय वायु सेना ने गोवा का अधिग्रहण 1961 इसने गोवा को भारतीय संघ में विलय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1984 में वायुसेना ने सियाचिन ग्लेशियर पर नियंत्रण स्थापित करने वाले ऑपरेशन मेघदूत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वायुसेना ने देश भर में कई आपदा राहत अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जैसे कि 2013 में केदारनाथ में ऑपरेशन राहत, 2014 में श्रीनगर में ऑपरेशन मेघराघात, और 2018 में केरल की बाढ़ के दौरान, जब भी देश में कोई आपदा आती है भारतीय वायु सेना देवदूत बनकर आती है और लोगों की निस्वार्थ मदद करती है। नेपाल में आए भूकंप से हुए नुकसान के कारण सहायता के लिए ऑपरेशन मैत्री के चलाया गया यह अभियान विदेशी धरती पर वायुसेना द्वारा चलाया गया अब तक का सबसे लंबा बचाव और राहत अभियान था। हाल फ़िलहाल तुर्की में भी भारतीय वायुसेना देवदूत बनकर पहुंची थी, जबकि तुर्की के साथ भारत के रिश्ते तनावपूर्ण थे, इसलिए भी हमें अपनी सेना पर फक्र है। भारतीय वायुसेना दुनिया की सबसे ऊँची हवाई पट्टियों का संचालन करती है और इसने ऐसे वातावरण में भी अपना संचालन बनाए रखा है। भारतीय वायुसेना में महिलाओं को लड़ाकू भूमिकाओं में शामिल किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण प्रगति है। इस तरह से भारत की वायु सेना के नाम पर सैकड़ों कीर्तिमान दर्ज़ हैं। इस बार ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय वायु सेना दिवस कुछ खास होने वाला है। 08 अक्टूबर को होने वाले वायुसेना दिवस के समारोह में कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिलेंगे। इस दिन हिंडन एयरबेस पर फ्लाईपास्ट का आयोजन होगा, जिसमें वायुसेना अपनी ताकत का प्रदर्शन करेगी। फाइटर जेट्स जैसे सुखोई-30 MKI, मिग-29 और तेजस हवा में अलग-अलग फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे। इसके अलावा ट्रांसपोर्ट विमान जैसे C-17 ग्लोबमास्टर और C-130J सुपर हरक्यूलस भी अपनी ताकत दिखाएंगे।

7 मई 2025 को भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमला हुआ था जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए थे, जिसमें ज्यादातर पर्यटक थे। उसी का जवाब देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके जवाब में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में आतंकियों के 9 ठिकानों पर सटीक हमले किए। इन ठिकानों में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों के बड़े शिविर शामिल थे। ऑपरेशन सिंदूर में हिंडन एयरबेस ने अहम भूमिका निभाई। यहां से विमानों को भेजा गया और पूरी रणनीति को अंजाम दिया गया। इस दौरान हिंडन के सिविल टर्मिनल से कमर्शियल उड़ानों को रोक दिया गया था, ताकि कोई जोखिम न हो। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सुरक्षा के लिए उठाया गया था, क्योंकि यह टर्मिनल मिलिट्री एयरबेस के अंदर ही है। अभी यहां से 16 उड़ानें चलती हैं, जो बड़े शहरों को जोड़ती हैं, और एयर इंडिया एक्सप्रेस मुख्य एयरलाइन है। इन हमलों में ब्रह्मोस मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, जिन्होंने पाकिस्तानी ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया। इस आयोजन में वायुसेना के इतिहास और इसकी उपलब्धियों को भी दिखाया जाएगा। एक खास प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जिसमें वायुसेना के पुराने विमानों, हथियारों और तकनीक की झलक देखने को मिलेगी। साथ ही, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को एक वीडियो के जरिए दिखाया जाएगा, जिसमें इस ऑपरेशन की पूरी कहानी को समझाया जाएगा। वायुसेना दिवस का यह समारोह न सिर्फ वायुसेना के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का पल होगा। हिंडन में होने की वजह से दिल्ली-एनसीआर के आसपास के लोग आसानी से इस आयोजन का हिस्सा बन सकेंगे। साथ ही, इस बार इसे ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसका सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। दूरदर्शन और कई न्यूज चैनल इस समारोह को लाइव दिखाएंगे, ताकि देश के कोने-कोने में बैठे लोग इसे देख सकें।इसके अलावा, स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को खास तौर पर आमंत्रित किया जाएगा, ताकि वे वायुसेना की ताकत को देख सकें और उनमें देशभक्ति की भावना जागे। वायुसेना के अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।

भारतीय विज्ञान में महिलाओं की प्रभावी लेकिन अधूरी यात्रा

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीते कुछ दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरिक्ष कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिकों की पहचान आज विश्व स्तर पर बनी है। इस यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल औपचारिकता भर नहीं रही बल्कि ठोस और प्रभावी साबित हुई है। डॉ. टेसी थॉमस, जिन्हें मिसाइल महिला कहा जाता है या चंद्रयान-3 मिशन की महिला वैज्ञानिकों कल्पना कलहस्ती और ऋतु करिधल का योगदान इसका जीवंत उदाहरण है। यह स्पष्ट करता है कि भारतीय महिला वैज्ञानिकों की भूमिका अब केवल प्रतीकात्मक नहीं रही, वे वास्तविक परिवर्तन की धुरी बन चुकी हैं।

फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या बड़ी है, परंतु शोध और नेतृत्व के पदों तक पहुँचते-पहुँचते यह संख्या लगातार घटती जाती है। इस प्रवृत्ति को ही 'लीकी पाइपलाइन' कहा जाता है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि स्नातक स्तर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगभग 43 प्रतिशत है। यह आँकड़ा किसी भी देश के लिए गौरवपूर्ण हो सकता है। लेकिन जब यही लड़कियाँ आगे शोध और अनुसंधान के मार्ग पर बढ़ती हैं तो मात्र 14 प्रतिशत ही इस क्षेत्र में टिक पाती हैं। यही नहीं, उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला संकाय की संख्या लगभग 15 प्रतिशत तक सीमित है। देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएससी या सीएसआईआर अब तक किसी महिला के नेतृत्व में नहीं रहे। वैज्ञानिक पुरस्कारों और मान्यताओं की दुनिया में भी असमानता साफ दिखती है। वर्ष 2023 तक दिए गए छह सौ से अधिक शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों में केवल सोलह ही महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। यह आँकड़े बताते हैं कि प्रारंभिक स्तर पर भले ही महिलाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समान उत्साह के साथ प्रवेश करती हैं, लेकिन जैसे-जैसे ज़िम्मेदारियाँ और दबाव बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनकी संख्या कम होती जाती है। यही वह कड़ी है जो राष्ट्रीय उत्कृष्टता को कमजोर करता है। इसकी कई परतें हैं। मातृत्व और परिवार की ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं के कॅरियर को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। लंबे कार्य घंटे, उच्च दबाव वाले प्रोजेक्ट और लचीले विकल्पों की कमी के कारण बहुत-सी प्रतिभाशाली महिलाएँ बीच रास्ते से बाहर हो जाती हैं। संस्थागत ढाँचे में भी पुरुष वर्चस्व कायम है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पदोन्नति और नेतृत्व पदों पर जाने का मार्ग महिलाओं के लिए कठिन है। अनौपचारिक नेटवर्क, सामाजिक पूर्वाग्रह और लैंगिक धारणाएँ इस कठिनाई को और गहरा करती हैं।

वित्तपोषण और मान्यता का संकट भी कम नहीं है। शोध अनुदान में महिलाओं को कम प्राथमिकता दी जाती है। यह उनकी परियोजनाओं की दिशा और नवाचार की संभावनाओं को सीमित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण भी विज्ञान को पुरुष प्रधान क्षेत्र मानता है, जिससे परिवार और समाज अक्सर लड़कियों को इस ओर बढ़ने से हतोत्साहित करते हैं। यदि कोई महिला कॅरियर ब्रेक ले भी ले तो पुनः-प्रवेश बेहद कठिन हो जाता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की महिला वैज्ञानिक योजना अवश्य मौजूद है, परंतु उसकी पहुँच अभी बहुत सीमित है। यह समस्या केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उपलब्धियों की बाधा नहीं है, बल्कि भारत के भविष्य से भी गहराई से जुड़ी है। जब भारत विकसित भारत के सपने को पूरा करने का संकल्प ले रहा है, तब वैज्ञानिक नवाचार और शोध में आधी आबादी की भागीदारी को नज़रअंदाज़ करना आत्मघाती साबित हो सकता है। विश्व बैंक का अनुमान है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को सात सौ अरब डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि मिल सकती है। यदि महिलाएँ बराबरी से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान करेंगी तो भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा स्वतः बढ़ेगी।

आगे की राह यह है कि अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रतिनिधित्व की सीमा तय की जाए। महिला नेतृत्व वाली परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तपोषण सुनिश्चित हो। कॅरियर ब्रेक के बाद पुनः-प्रवेश को आसान बनाया जाए और अधिक संख्या में पुनः-प्रवेश फेलोशिप दी जाए। वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों और नई शोधार्थिनियों के बीच मार्गदर्शन का सेतु तैयार किया जाए। सबसे बढ़कर, समाज की मानसिकता बदली जाए। परिवार और समाज को यह स्वीकार करना होगा कि विज्ञान पुरुषों का नहीं, बल्कि सभी का क्षेत्र है। भारतीय विज्ञान में महिलाओं की यात्रा प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे बढ़ चुकी है, लेकिन नेतृत्व तक पहुँचने में अब भी कई बाधाएँ मौजूद हैं। यह बाधाएँ केवल व्यक्तिगत हानि नहीं बल्कि राष्ट्रीय हानि भी हैं। अगर भारत को ज्ञान शक्ति बनना है, तो इस रिसाव को रोकना ही होगा। वास्तविक नवाचार और उत्कृष्टता तभी संभव है जब प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में पुरुष और महिलाएँ बराबरी से कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हों। यह केवल समान अवसर का सवाल नहीं है, बल्कि भारत के वैज्ञानिक भविष्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का भी प्रश्न है।

सुविचार

दो लोग, दो घड़ी, साथ-साथ इतना-इतना अकेलापन अनुभव करें कि फिर अकेले न रह पाएं।
-मनोहर श्याम जोशी

निशाना

मोबाइल और रील में डूबे..!

अशोक दुबे 'अशोक'

कम्प्यूटर पर शिक्षा सारी
स्लेट पेंसिल पेन नदारद।
डांट न पाता टीचर तो अब,
मुर्गा बनना, छड़ी नदारद।।
भवन बनाए बहुमंजिला पर,
अपना घर-व्यवहार नदारद।।
अधरों पर है बहुत चाशनी,
आंखों की है चमक नदारद।।
सुविधाओं की इस बस्ती में,
घर से बस मां-बाप नदारद।।
काम सभी यंत्रों से होते,
चूल्हे चक्की कुएं नदारत।।
बाहर से खुश दिखते सब हैं,
पर अंदर से खुशी नदारत,
मोबाइल और रील में डूबे,
प्रेम मिलन का भाव नदारत।

न्यू फीचर

इंस्टाग्राम के टॉप क्रिएटर्स को फैशन डिजाइनर्स से मिलेगा अवार्ड

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने अपने क्रिएटर्स के लिए एक नया अवॉर्ड प्रोग्राम लॉन्च किया है जिसका नाम है 'Rings Award' यह अवॉर्ड पारंपरिक सेलेब्रिटी इवेंट की तरह नहीं होगा बल्कि इसमें विजेताओं को एक खास फिजिकल इनाम मिलेगा। इस प्रोग्राम के तहत चुने गए 25 क्रिएटर्स को फैशन डिजाइनर Grace Wales Bonner द्वारा डिजाइन की गई असली अंगूठियां दी जाएंगी।

नहीं है कोई कैश प्राइज: हालांकि इस अवॉर्ड के साथ कोई नकद इनाम नहीं दिया जाएगा लेकिन विजेताओं को इसकी एक डिजिटल कॉपी भी मिलेगी जिसे वे अपने Instagram प्रोफाइल और स्टोरीज़ में शोकेस कर

सकेंगे। इसके अलावा विजेताओं को एक एक्सक्लूसिव फीचर भी मिलेगा वे अपने प्रोफाइल बैकग्राउंड के रंग को एक यूनिक ग्रेडिएंट स्टाइल में कस्टमाइज़ कर पाएंगे। इंस्टाग्राम ने पहली बार अपने प्लेटफॉर्म पर इस तरह की पर्सनलाइजेशन की सुविधा दी है जो दो दशक पहले Myspace और Friendster जैसे प्लेटफॉर्म पर लोकप्रिय थी।

कैसे होगा चयन?: Rings Award की खास बात यह है कि इसमें किसी तय कैटेगरी में नामांकन नहीं होगा। इसके बजाय इंस्टाग्राम 25 ऐसे क्रिएटर्स का चयन करेगा जो अपने काम में क्रिएटिविटी, यूनिकनेस और इनोवेशन दिखाते हैं। इंस्टाग्राम की डायरेक्टर ईवा चेन ने कहा, चयन की प्रक्रिया काफी सख्त थी। हम ऐसे लोगों की तलाश में थे जो अपने कंटेंट के ज़रिए नई सोच लाते हैं और दर्शकों से अलग तरह से जुड़ते हैं। इस अवॉर्ड की चयन समिति में कई मशहूर हस्तियां शामिल हैं।

हर साल होगा आयोजन: इंस्टाग्राम का कहना है कि वह इस अवॉर्ड को हर साल आयोजित करने की योजना बना रहा है। इस साल के विजेताओं की घोषणा 16 अक्टूबर को की जाएगी। चेन ने कहा, हम उत्सुक हैं यह देखने के लिए कि लोग इसे कैसे स्वीकार करते हैं और विजेताओं को कैसा अनुभव मिलता है जब वे सचमुच 'Instagram Spotlight' में होंगे। यह अवॉर्ड न सिर्फ क्रिएटर्स की क्रिएटिविटी को सम्मान देता है, बल्कि यह दिखाता है कि इंस्टाग्राम अब अपने प्लेटफॉर्म को और ज़्यादा व्यक्तिगत और एक्सक्लूसिव बनाने की दिशा में बढ़ रहा है।

हेल्थ अपडेट

आ रही हैं सर्दियां , अस्थमा- ब्रोंकाइटिस के मरीजों के लिए सावधानी जरूरी

बड़ी संख्या में अस्थमा रोगी सर्दियों के महीनों में सांस-संबंधी गंभीर असुविधा का सामना करते हैं। दमा एक गंभीर गैर-संचारी रोग (एनसीडी) है जो बच्चों और वयस्कों को भी प्रभावित कर सकता है। यह बच्चों के बीच सबसे प्रचलित पुराने रोगों में एक है। इस बीमारी के फलस्वरूप वायुमार्ग विस्तृत और संकीर्ण हो जाता है और अतिरिक्त बलगम उत्पन्न होता है, जिससे सांस लेने में दिक़्क़त हो सकती है।कड़ाके की सर्दी के दौरान अपने अस्थमा को नियंत्रित करने के लिए सावधानियों की जरूरत होती है।

पहले से ही कमजोर सांस की नाली ठंडी, सर्दी हवा से बेहद असुरक्षित हो जाती है। इसे इसके अलावा सर्दियों के लिए सामान्य उत्तेजकों का सामना करना पड़ता है, जिससे वायुमार्ग को खोलने की कोशिश करते समय वायुमार्ग की मांसपेशियों में ऐंठन पैदा हो सकती है। फेफड़ों के भीतर दबाव का विरोध करने की यह प्रक्रिया अस्थमा से संबंधित लक्षणों को बढ़ा सकती है जो अधिक गंभीर हो सकते हैं जैसे कि घरघराहट, खांसी, सांस लेने में समस्या और सीने में जकड़न, और अस्थमा के दौरे को भी बढ़ा सकते हैं। सीजनल फ्लू, जो सर्दी के दौरान सामान्य बीमारी है, यह अस्थमा-संबंधी खाँसी के लक्षणों और फ्लेयर-अप्स के मुख्य कारणों में से एक है। फ्लू और सर्दी के वायरस के संपर्क में आने वाले अस्थमा मरीज़ों को अस्थमा के दौरे और अन्य निमोनिया का जोखिम अधिक होता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आप अस्थमा को बिगाड़ने वाले कारणों और लक्षणों को पहचानें और उन्हें जल्दी से अपने डॉक्टर को सूचित करें।

सर्दी के मौसम में दमा का इलाज करने का एक सामान्य तरीका इनहेलर्स है। इनहेलर्स अस्थमैटिक व्यक्ति को सर्दी में मदद करते हैं। इनहेलर्स दमा का इलाज करते हैं और दमा के लक्षणों की तीव्रता को भी कम करते हैं। ये दवा को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाते हैं, जिससे वायुमार्ग रिलैक्स हो जाता है और व्यक्ति को आसानी से सांस ले पाने में सक्षम होता है। सीधे नाक से दवा की कम खुराक लेने से इसके दुष्प्रभाव की संभावना कम होती है। इनहेलर्स और समान उपकरण लक्षणों को नियंत्रित कर और तत्काल राहत प्रदान करके उन्हें प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं, जिससे अस्थमा के फ्लेयर-अप्स और अस्थमा के दौरे के जोखिम को कम कर सकते हैं। इनहेलर्स सभी के लिए सुरक्षित हैं, बशर्ते आप उसे डॉक्टर के निर्देशानुसार ले रहे हो। बच्चे एक स्पेसर डिवाइस की सहायता से इनहेलर का उपयोग करना पसंद करते हैं।

रिसर्च

नया ब्लड टेस्ट आया, जो वर्षों पुरानी लिवर की बीमारी का खोलेगा राज

लिवर की बीमारी अक्सर धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआत में इसके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। लेकिन जब बीमारी बढ़ जाती है, तब इलाज मुश्किल हो जाता है। हाल ही में स्वीडन के रिसर्चरों ने एक नया और आसान ब्लड टेस्ट बनाया है जो आपको सालों पहले ही लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा बता सकता है। इस टेस्ट से न केवल समय रहते लिवर से जुड़ी बीमारी का पहले पता चल जाएगा, बल्कि समय रहते डॉक्टर को भी इलाज करना आसान होगा। इस टेस्ट का इस्तेमाल आने वाले दिनों में किया जा सकेगा।

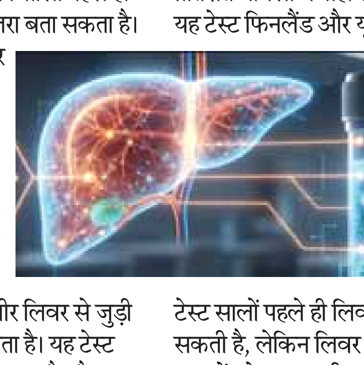

स्वीडन के रिसर्चर्स ने एक ऐसा ब्लड टेस्ट बनाया है जो सिरोसिस (लिवर में घाव), लिवर कैंसर या गंभीर लिवर से जुड़ी बीमारी का जोखिम पहले से बता सकता है। यह टेस्ट तीन आसान ब्लड मापों का इस्तेमाल करता है और यह लिवर के काम में छोटे बदलाव को भी पकड़ लेता है, जिससे पीलिया या लिवर के कारण पेट दर्द जैसी समस्याओं का पता पहले ही चल सकता है। इससे पहले लिवर से जुड़े ट्रेडिशनल एफआईबी-4 टेस्ट भी था, जो मुख्य रूप से उन मरीजों में काम आता था जिन्हें पहले से लीवर की बीमारी थी, लेकिन यह नया टेस्ट नॉर्मल लोगों के भी काम आ सकता है। यह समय रहते लिवर से जुड़ी बीमारियों का पता लगाने में मदद करता है, जिससे डॉक्टर जल्द इलाज कर सकते हैं और बीमारी को बढ़ने से रोक सकते हैं। स्वीडन की टीम ने 1985 से 1996 के बीच स्टॉकहोम के 4,80,000 लोगों का डेटा देखा। 30 साल के फॉलो-अप में 1।5 प्रतिशत लोगों को गंभीर लिवर बीमारी हुई या उन्हें ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ी। इस डेटा से उन्होंने एक मॉडल बनाया जो 88 प्रतिशत मामलों में सही तरीके से जोखिम पहचान पाया। यह टेस्ट फिनलैंड और यूके में भी आजमाया गया और वहां भी सही परिणाम मिले। रिसर्चर कहते हैं कि इस टेस्ट की क्षमता को और बढ़ाने के लिए, खासकर टाइप 2 डायबिटीज और मोटापे वाले लोगों में और रिसर्च की जरूरत है। नई ब्लड टेस्ट सालों पहले ही लिवर की बीमारी का खतरा बता सकती है, लेकिन लिवर से जुड़ी बीमारी के शुरुआती लक्षणों को जानना भी बहुत जरूरी है। लिवर की बीमारी अक्सर धीरे-धीरे बढ़ती है, लेकिन कुछ संकेत हैं जो अक्सर यह देती रहती है। ***शराब से जुड़ी लिवर के बीमारी के लक्षण***- मतली, अचानक वजन कम होना, भूख न लगना, आंखों या त्वचा का पीला पड़ना। ***नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर*** बीमारी-अक्सर थकान रहना, शरीर में कमजोरी या असहज महसूस होना और दाहिने पसली के नीचे दर्द या भारीपन। ***लिवर सर्कोसिस*** (लिवर में घाव)-त्वचा पर साफ नसें दिखना, हथेलियों का लाल या धब्बेदार होना और डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं संकेत देती हैं।

सीहोर जिले के ग्राम पीपलिया मीरा का मामला, इलाज के बाद बिगड़ी थी तबियत

झोलाछाप के इंजेक्शन ने छीन ली मासूम दीक्षा की मुस्कान, पांच दिन कोमा में रहने के बाद मौत

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम पीपलिया मीरा में उस वक्त कोहराम मच गया जब दो साल की मासूम दीक्षा (पिता कन्हैयालाल) की मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, वे गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर बरखेड़ी स्थित मुस्कान क्लीनिक में इलाज कराने गए थे। वहां डॉक्टर अशोक विश्वकर्मा ने खांसी-बुखार के लिए इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगते ही दीक्षा की हालत बिगड़ने लगी और कुछ ही देर में वह कोमा में चली गई।

परिवार ने तुरंत दीक्षा को सीहोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल के मनन चाइल्ड केयर हॉस्पिटल ले जाया गया। पांच दिन तक दीक्षा जिंदगी और मौत के बीच झूलती रही। डॉक्टरों ने पूरी कोशिश की, लेकिन 7 अक्टूबर की सुबह दीक्षा ने दम तोड़ दिया। दीक्षा की नन्ही मुस्कान के साथ पूरा परिवार भी टूट गया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर अशोक विश्वकर्मा के पास न तो डिग्री है और न ही इलाज की अनुमति। क्लीनिक फर्जी तरीके से चलाया जा रहा है। गजराज कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने 4 अक्टूबर को ही पुलिस में शिकायत दी थी, लेकिन तब तक दीक्षा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही थी। उनका कहना है कि डॉक्टर की लापरवाही ने उनकी बच्ची की जान ले ली।

पुलिस जांच में जुटी, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस मंगलवार को मुस्कान क्लीनिक, बरखेड़ी पहुंची और वहां से जरूरी दस्तावेज व जानकारी एकत्र की। थाना प्रभारी रविन्द्र यादव ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार, सजा की मांग

गजराज कुशवाहा ने थाना प्रभारी को दिए आवेदन में कहा कि हमारी बिटिया अब लौटकर नहीं आएगी, लेकिन अगर दोषी को सजा मिलेगी तो उसे न्याय मिलेगा। ताकि आगे कोई और मासूम इस तरह की लापरवाही का शिकार न बने। इस मामले में सीएमएचओ सुधीर डेहरिया ने कहा कि मामले की जांच कराई जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

परिवार की जान थी बेटी

दीक्षा के चाचा गजराज कुशवाहा ने बताया कि दीक्षा हमारे परिवार की जान थी। वह हमेशा मुस्कुराती रहती थी, उसकी चहक पूरे घर में गूंजती थी। यकीन नहीं होता कि अब वह हमारे बीच नहीं है। दीक्षा के जाने से गांव में मातम छा गया है। हर आंख नम है, हर दिल दुखी है।

स्वयंसेवक बस्तियों में संपर्क कर बांट रहे गणवेश

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हर घर तक संघ के पहुंचने और प्रत्येक नागरिक को इस गौरवपूर्ण यात्रा में सहभागी बनाने के उद्देश्य को लेकर इन दिनों नगर की 11 बस्तियों में संघ के स्वयंसेवक अपनी पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ घर-घर संपर्क अभियान चला रहे हैं। संपर्क अभियान में नए स्वयंसेवकों को गणवेश दी जा रही है वहीं प्रत्येक परिवार से एक सदस्य से पथ संचलन में शामिल होने का आग्रह किया जा रहा है। संघ के परंपरागत पर्व विजयादशमी को इस बार शताब्दी वर्ष के आरंभ के रूप में विशेष रूप से मनाया जा रहा है। विजयादशमी पर नगर में निकलने वाला पथ संचलन इस बार संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 12 अक्टूबर रविवार को बासौदा नगर में भव्य रूप में निकलेगा जिसमें सभी 11 बस्तियों के स्वयंसेवक एक स्वर में कदम से कदम मिलाकर संगठन शक्ति का परिचय देते हुए राष्ट्रभक्ति का संदेश देंगे।

मालूम हो कि इस बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी यात्रा के 100 साल पूरे कर रहा है। शताब्दी वर्ष की यात्रा को गौरवशाली और यादगार बनाने के लिए पूरे नगर में संघ के स्वयंसेवक बस्ती बस्ती संपर्क कर रहे हैं। स्वयंसेवकों के उमंग उल्लास से बासौदा नगर में धीरे-धीरे संगठन शक्ति और राष्ट्रभक्ति का वातावरण व्याप्त होने लगा है।

किसान को सोसायटी प्रबंधक ने दी धमकी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोसायटी पर तीन दिन से डीएपी के लिए भटक रहे ग्राम सबदलपुर के किसान, एवं कृषि एवं ग्रामीण मजदूर संघ के अध्यक्ष मोहन रघुवंशी पर इकलोद सोसायटी प्रबंधक कन्हैयालाल विश्वकर्मा द्वारा गाली-गलौच करने एवं धमकी देने का प्रकरण दर्ज करवाया है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 6 अक्टूबर को वे पीओएस मशीन लेने के लिए भोपाल गए थे। उसी दौरान ग्राम सब्दलपुर में रहने वाले मोहन रघुवंशी ऑफिस आया और खाद कब बंटेगी यह जानकारी ली। मौजूद कर्मचारियों ने उनसे पीओएस मशीन आने के बाद खाद वितरण की जानकारी दी थी। इसके बाद मोहन ने उनके साथ गाली-गलौच कर उन्हें धमकी देना शुरू कर दी। मामले में प्रबंधक की शिकायत पर सिरोंज पुलिस ने मोहन गाली-गलौच करने एवं धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है। इसी मामले को लेकर मंगलवार को विभिन्न सोसायटियों के प्रबंधकों ने तहसीलदार को भी एक ज्ञापन सौंपा था। जिसमें उन्होंने मोहन की शिकायत की थी। मामले को लेकर मोहन रघुवंशी से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि मै खुद इकलोद सोसायटी से जुड़ा किसान हूं। ऑनलाइन पंजीयन के बाद मुझे और मेरी पत्नी को 3 अक्टूबर को खाद का टोकन मिला है। सोमवार को मैं टोकन लेकर डीएपी लेने के लिए ही समिति कार्यालय पर गया था। जब डीएपी नहीं मिला तो मेरे साथ अन्य किसानों ने भी एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा के पास पहुंचकर डीएपी दिलवाने का अनुरोध किया था।

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में चलाया हस्ताक्षर अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान के तहत चल रहे हस्ताक्षर अभियान में कांग्रेस कार्यकर्ता शहर की सड़कों पर घूमे। अभियान के तहत विदिशा कांग्रेस संगठन द्वारा बनाए गए समन्वयक अर्पित उपाध्याय मंगलवार को सिरोंज आए थे। वे दोपहर में नगर कांग्रेस अध्यक्ष इरशाद गौरी के साथ अनेक इलाकों में पहुंचे आम नागरिकों को अभियान से जुड़ी जानकारी देकर उनके हस्ताक्षर करवाए। इसके बाद कांग्रेस पदाधिकारियों के बैठक भी सिरोंज में हुई। जिसमें अभियान को लेकर चल रही गतिविधियों पर चर्चा की गई।

दादा शिवानंद योगी की हाथी-घोड़े और बैंड बाजे के साथ नर्मदा परिक्रमा 11 को

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

1008 धूनीवाले दादाजी के कृपापात्र शिष्य एवं आजीवन नर्मदा परिक्रमावासी दादा शिवानंद योगी चातुर्मास विश्राम के बाद 11 अक्टूबर को एक बार फिर नर्मदा परिक्रमा के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका चल समारोह दोपहर 11 बजे हैप्पी मेरिज गार्डन से बड़े ही धूमधाम से निकलेगा। इस दौरान शहर की मुख्य सड़कों से होते हुए यह यात्रा एसपीएम गेट नंबर 3 तक पहुंचेगी। समारोह में हाथी, घोड़े, बैंड-बाजे और सैकड़ों श्रद्धालु शामिल होंगे। गुरु पूर्णिमा से लेकर 51 दिवसीय चातुर्मास अवधि में दादा शिवानंद योगी के सानिध्य में प्रतिदिन शिव अभिषेक, आरती, अर्चन और दोनों समय भंडारे का आयोजन किया गया। इसके पश्चात शारदीय नवरात्रि के दौरान 208 ब्राह्मणों द्वारा अखंड दुर्गा सप्तशती पाठ और हवन सम्पन्न हुआ, जिसमें जिले व प्रदेशभर से भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। एसपीएम गेट नंबर 3 पर दोपहर 3 बजे

नर्मदा परिक्रमा आश्रम का उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद शाम 5 से रात 8 बजे तक भंडारे का आयोजन रहेगा। रात 9 बजे से प्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर द्वारा देवी जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस पूरे आयोजन में मंदिर समिति एसपीएम गेट नंबर 3 तथा समस्त भक्तजन सक्रिय भूमिका निभाएंगे। श्रद्धालु समुदाय में इस आयोजन को लेकर उत्साह का वातावरण है।

विधायक और सांसद ने विजयासन के किए दर्शन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ओर क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा और होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी देवीधाम सलकनपुर पहुंचे थे क्षेत्रीय विधायक और सांसद ने मां विजयासन देवी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।ओर मां विजयासन से क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं सबके मंगल की कामना की।इस अवसर पर राज्यसभा सासंद माया नारोलिया,सलकनपुर ट्रस्ट अध्यक्ष महेश उपाध्याय,भाजपा नेता पीयूष शर्मा,मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे,सागर शिवहरे,गोकुल पटेल एवं चंदन साहू डॉ नीरज जैन उपस्थित रहे। देवी दर्शन के फोटो दोनों ही प्रतिनिधियों ने अपने एफबी पेज पर पोस्ट किए है।

अप्सरा गरबा ग्रुप ने दी शानदार प्रस्तुति

इटारसी। शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर खंडवा के नवचंडी में महेंद्र गंगाराम योगी के सान्निध्य में भव्य गरबा रास प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें इटारसी के अप्सरा गरबा ग्रुप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। ग्रुप के सदस्य अमन दास ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 16 गरबा ग्रुपों ने भाग लिया था। सभी ग्रुपों ने उत्साह और ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति दी, लेकिन अप्सरा ग्रुप की लयबद्ध, आकर्षक व मनमोहक प्रस्तुति ने निर्णायकों और दर्शकों का मन जीत लिया। निर्णायकमंडल ने सभी प्रस्तुतियों के मूल्यांकन के बाद अप्सरा गरबा ग्रुप को सर्वश्रेष्ठ घोषित करते हुए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। ग्रुप की इस उपलब्धि से इटारसी शहर में खुशी की लहर दौड़ गई है। सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों ने अप्सरा गरबा ग्रुप के सदस्यों को उनकी इस सफलता पर बधाई दी है।

बच्चों ने किया चंडीगढ़ मनाली का भ्रमण

इटारसी। शहर के प्रतिष्ठित स्कूल जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 50 विद्यार्थी अपनी डायरेक्टर मनीता सिद्दीकी और शिक्षक शिक्षिका के साथ चंडीगढ़, कुल्लू मनाली के शैक्षणिक भ्रमण के मनोरंजन और रोमांच से भरे टूर पर गए। स्कूल का यह टूर 2 अक्टूबर को इटारसी से रवाना हुआ जो अंबाला चंडीगढ़ होता हुआ मनाली पहुँचा। मनाली में विद्यार्थियों ने हिडम्बा टेम्पल, वशिष्ठ कुंड, बौद्ध मोनेस्ट्री देखी और वहां के इतिहास के बारे में जानाद्य साथ ही शाम को मॉल रोड का आंनद लिया। इसके बाद ट्रिप को रोमांचक बनाने के लिए सभी उत्साहित विद्यार्थी रोहतांग के लिए निकले परन्तु बच्चों क़ो गुलाबा नाम के स्थान पर स्नोफॉल देखने मिला। स्कूल संचालक जाफर सिद्दीकी ने इस ट्रिप सम्पूर्ण जानकारी देते हुई कहा की इस तरह कर ट्रिप विद्यार्थियों में पढ़ाई का स्ट्रेश तो कम करता है। ट्रिप क़ो सफलता पूर्वक ले जाने और वापस लाने में स्कूल की डायरेक्टर मनीता सिद्दीकी और अन्य स्टॉफ कृष्णा साहू, नीरज चौरे, अल्पना चौरे और खुशी सिद्दीकी का सराहनीय योगदान रहा।

नवागत जिपं सीईओ ने किया पदभार ग्रहण

नर्मदापुरम। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2020 बैच के अधिकारी हिमांशु जैन (आईएएस) ने नर्मदापुरम जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला लिया है। इससे पूर्व श्री जैन शिवपुरी में जिला पंचायत सीईओ के पद पर कार्यरत थे। पदभार ग्रहण करने से पूर्व उन्होंने कलेक्टर सोनिया मीना से शिष्टाचार भेंट की। जिला पंचायत कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। श्री जैन ने सभी से परिचय प्राप्त किया और शाखावार विभिन्न विभागों–पंचायत, ग्रामीण विकास, पर्यटन, मनरेगा, एनआरएलएम आदि–के कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने नए सीईओ से भेंट की।

एसडीएम ने विकास कार्यों का लिया जायजा

गंजबासौदा। बेतवा नौलखी धाम स्थित फिल्टर प्लांट ओर इंटकबेल का मंगलवार को एसडीएम संतोष बिटोलिया ने भ्रमण कर नगर पालिका द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उनके साथ नगर पालिका सीएमओ रवि प्रकाश श्रीवास्तव, उपयंत्री मोहिनी कोरी, सुनील यादव, नवल मालवीय, इस्त्याक खान उपस्थित रहे। भ्रमण उपरांत एसडीएम संतोष बिटोलिया नगर पालिका अमले के साथ फिल्टर प्लांट एवं इंटेक्वेल नौलखी धाम पहुंचे जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने नगर वासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु दिशा निर्देश दिए। इसी के साथ विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित भी किया गया।

मेट्रो एंकर शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों हुए धार्मिक आयोजन, उमड़ी भक्तों की भीड़

श्वेत वस्त्र पहनाकर किया ठाकुर जी का श्रृंगार, झुलाया झूला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शरद पूर्णिमा और वाल्मीकि जयंती का उत्साह और उल्लास शहर में मध्यरात्रि तक दिखाई दिया। शहर के मंदिरों की रौनक देखने लायक थी। मंदिर प्रबंधन समितियों द्वारा ठाकुर जी और राधा रानी की प्रतिमा का श्वेत वस्त्रों में मनभावन श्रृंगार किया गया था। कहीं भगवान को झूले में विराजित किया गया था तो कहीं पर उन्हें मुक्ताकाश भव्य आसन पर स्थापित किया गया था। संध्या आरती के उपरांत मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतार लगने लगी। भक्तों ने एकटक होकर भगवान की प्रतिमाओं को निहारा। अधिकांश श्रद्धालु सपरिवार ठाकुर जी के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। इस बीच बारिश का दौर भी चला लेकिन इसके बाद भी भक्तों के कदम नहीं थमे। वे उत्साह के साथ मंदिरों में पहुंचे। इस अवसर पर अनेक स्थानों पर इस अवसर पर भजन संध्या भी आयोजित की गई। मंदिरों में भक्तों की कतार मध्य रात्रि तक लगी रही।

रबड़ी और खीर की प्रसादी का किया वितरण

इस अवसर पर महिलाओं ने घरों पर मावे की लड्डू बनाए थे। उन्होंने मंदिरों में भगवान को ये लड्डू अर्पित किए। वहीं मंदिर प्रबंधन समितियों द्वारा श्रद्धालुओं को खीर की प्रसादी का वितरण किया जा रहा था। प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार में भक्तों को रबड़ी की प्रसादी का वितरण किया गया। भक्तों में कतार में लग कर प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद वितरण का यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा।

मंदिरों में की सजावट

मदनमोहन सरकार के दरबार की सजावट में सफेद रंग के उपयोग का खासा ध्यान रखा गया। सरकार के सेवक नवनीत महाराज ने भक्तों को शरद पूर्णिमा से जुड़े भगवान के महारास से जुड़ी जानकारी भी प्रदान की। इसी तरह प्राचीन रामलला सरकार मंदिर, भार्गव समाज के भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर, अग्रवाल समाज के प्राचीन गिरधारी जी मंदिर, कठाली बाजार स्थित साहू समाज के बिहारी जी मंदिर एवं दिल्ली दरवाजा स्थित कृष्ण मंदिर, छतरी नाका स्थित हनुमान मंदिर, नेमा समाज के लक्ष्मीनारायण मंदिर, छिपेटी बाजार स्थित द्वारिकाधीश मंदिर, नामदेव समाज के बृजराज मंदिर, बोहरबाड़ी स्थित देवचतुर्भुज राज मंदिर, सतखनी स्थित रघुनाथ जी मंदिर और कोली ढाना स्थित बिहारी जी मंदिर में विशेष सजावट की गई थी।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)

(मानव संसाधन प्रभाग -II)
मुख्य कार्यालय, द्वार सं. 10
(पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम
लोधी रोड, नई दिल्ली- 110003

भारतीय खेल प्राधिकरण भर्ती निदेशक पद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत संगठन, भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), अपने मुख्यालय नई दिल्ली एवं विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों में निदेशक के 08 पदों को पे मैट्रिक्स लेवल-12 (रु.78,800-2,09,200) में प्रतिनियुक्ति सहित अल्पकालिक अनुबंध के आधार पर 3 वर्ष की अवधि के लिए भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। योग्य अधिकारी निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन उप निदेशक (भर्ती), भारतीय खेल प्राधिकरण, जे. एन. स्टेडियम परिसर, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 को भेज सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 11 नवम्बर, 2025 (शाम 5.00 बजे) है।

विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मानदंड, प्रोफार्मा एवं निर्देश 13 सितम्बर, 2025 से भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट (www.sportsauthorityofindia.nic.in) पर उपलब्ध हैं।

cbc- 47103/12/0011/2526

जनवरी में भी खुदाई में मिला था हजारों साल पुराने 7 शिव मंदिरों का समूह

दोनी में खुदाई के दौरान फिर मिलीं कई देवी-देवताओं की प्रतिमाएं

विशाल रजक, तेंदूखेड़ा/दमोह

जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की पाठादौ ग्राम पंचायत के दोनी में पुरातत्व विभाग को एक बार फिर खुदाई के दौरान कल्चुरी काल (10वीं-11वीं शताब्दी) की कई उत्कृष्ट मूर्तियां मिली हैं। यह दूसरी बार है जब स्थल पर खुदाई के दौरान इस प्रकार की कलात्मक प्रतिमाएं सामने आई हैं। इससे पूर्व जनवरी माह में भी इसी स्थान से टीले की खुदाई में हजार साल पुराने 7 शिव मंदिरों का समूह मिला था और मूर्तियां प्राप्त हुई थीं नवीन खुदाई में ब्रह्मा, विष्णु, शिव, उमा-महेश्वर, पार्वती, अर्धनारीश्वर, वायुदेव, गज अप्सरा और नायिका जैसी कलात्मक एवं विशिष्ट प्रतिमाएं शामिल हैं। फिलहाल की स्थिति में प्रारंभिक अध्ययन के दौरान ये सभी अवशेष प्राचीन शिव मंदिर के प्रतीत हो रहे हैं। अब इनका अध्ययन पुरातत्व विभाग की टीम करेगी पुरातत्व आयुक्त उर्मिला शुक्ला के मुताबिक दोनी गांव में सालभर से खुदाई चल रही है अभी यहां और काम होगा

पुरातत्व विभाग कर रहा विस्तृत अध्ययन

यह खुदाई स्थानीय विधायक और राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के निर्देश पर प्रारंभ की गई थी। यहां पर संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय भोपाल की आयुक्त उर्मिला शुक्ला के निर्देशन में मढ़ा क्रमांक-1 का मलबा सफाई कार्य उपसंचालक पीसी महोबिया (ग्वालियर) की देखरेख में चल रहा है

दोनी गांव में कलचुरी शासक के समय के मंदिर और उनके बाजू में प्राचीन बावड़ी बनी है। जिसका जीर्णोधार पंचायत स्तर पर कराया गया है। बावड़ी खुदाई के दौरान हर पत्थर के नीचे नागदेवता का वास मिला था। बाद में पूजा कर नागदेवता से जाने के लिए कहा, उसके बाद उन्होंने अपना स्थान बदला, और फिर निर्माण कार्य शुरू किया गया

आगे की खुदाई में और भी अवशेष सामने आएंगे

यहां के साइट इंचार्ज और प्रभारी उपयंत्री सपन साहू ने बताया कि कार्य के दौरान कल्चुरी काल (10वीं-11वीं शताब्दी) की दुर्लभ मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। उन्हें अभी एकत्रित करके सुरक्षित रखवाया जा रहा है। इन मूर्तियों का अध्ययन होने के बाद उन्हें मोनोमेंट्स के साथ स्थापित किया जाएगा। पुरातत्वविदों के अनुसार, दोनी क्षेत्र पहाड़ी भूभाग में स्थित होने के कारण यहां प्राचीनकाल में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा होगा। कल्चुरी कालीन मूर्तिकला की शैली और शिल्पकौशल इस बात की पुष्टि करती है कि यहां एक समृद्ध मंदिर परिसर रहा होगा। साहू ने बताया कि स्थानीय प्रशासन और पुरातत्व विभाग ने इन मूर्तियों के संरक्षण एवं वैज्ञानिक अध्ययन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नाबालिग की कुएं में गिरने से मौत

नीमच। नीमच में एक नाबालिग लड़की की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम मोकड़ी में हुई। मृतक लड़की का नाम बिंदिया पिता राधेश्याम बंजारा है। उसकी उम्र 17 साल थी। जानकारी के अनुसार, सुबह जब लड़की मवेशियों को छोड़ने खेत पर गई थी। इसी दौरान वह अचानक कुएं में गिर गई। आसपास के लोगों ने आवाज सुनकर उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मनासा अस्पताल भेजा गया, जहां सोमवार दोपहर में पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया।

आपत्तिजनक पोस्ट करने पर बैंक कर्मी गिरफ्तार

पांढुर्णा। सोशल मीडिया में खुराफातियों के द्वारा अनाप-शनाप पोस्ट करने वालों की हरकत थम नहीं रही है। इसी कड़ी में अब पांढुर्णा में देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में एक निजी बैंक कर्मी अर्जुन डेहरिया को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला पांढुर्णा के महावीर वार्ड निवासी अर्जुन डेहरिया से जुड़ा है। मंगलवार को तिगांव के ग्रामीणों ने पांढुर्णा थाने का घेराव किया और अर्जुन डेहरिया के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से तत्काल कार्रवाई की मांग की। पांढुर्णा थाना प्रभारी अजय मरकाम ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

करेली में उल्टी दस्त से 41 लोग बीमार

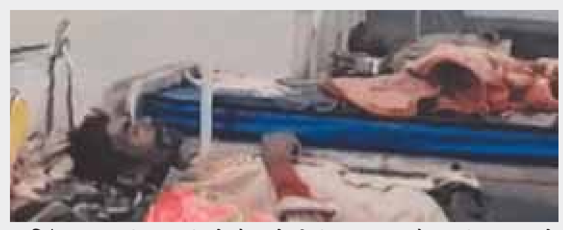

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के करेली विकासखंड के उमरिया गांव में उल्टी-दस्त के मरीज बढ़े है। अब तक 41 लोग इस बीमारी से प्रभावित हुए हैं। इनमें से कई मरीजों को जिला अस्पताल और कुछ को निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में सर्वेक्षण कर रही है और स्थिति का जायजा ले रही है। जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. गुलाब खातरकर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि 2 अक्टूबर को गांव की पेयजल टंकी की सफाई की गई थी। इसके बाद ही ग्रामीणों में उल्टी-दस्त के लक्षण दिखने शुरू हुए। सोमवार को शंकरलाल सिलावट, चरण सिंह और रीछा गांव के रूप सिंह जैसे कुछ मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मुश्रा ने बताया कि गांव में निगरानी बढ़ा दी गई है। स्वास्थ्य टीम लगातार प्रभावित लोगों की जांच कर रही है और आवश्यकतानुसार उपचार प्रदान कर रही है। बीमारी के मूल कारण का पता लगाने के लिए पेयजल के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

ओडिशा से गांजा लेकर आईं दो महिलाओं को रेलवे पुलिस ने पकड़ा

सागर, दोपहर मेट्रो

ओडिशा से गांजा लेकर आईं दो महिलाएं सागर जीआरपी की कार्रवाई में दमोह स्टेशन पर पकड़ी गईं। यह दोनों में महिलाएं गांजा खपाने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहीं थी। महिलाओं के कब्जे से जीआरपी ने तीन किलो गांजा जब्त किया है। मामले में महिलाओं से पूछताछ चल रही है। इनका पूरा नेटवर्क सामने आने की उम्मीद की जा रही है।

जीआरपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि दमोह स्टेशन पर दो महिलाएं गांजा लेकर खड़ी हैं। सूचना मिलते ही टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की। टीम ने दमोह जाकर पहले संदिग्ध महिलाओं को चिह्नित किया। इसके बाद घेराबंदी की। महिलाएं भागने लगीं। पुष्टि होते ही दोनों महिलाओं को हिरासत में लिया। उनके पास बैग था। इस बैग की तलाशी ली तो 3 किलो गांजा बरामद हुआ। गांजा जब्त कर महिलाओं को जीआरपी थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। महिलाओं ने बताया कि वह ओडिशा से गांजा लेकर आई थीं। गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रही थीं। जीआरपी थाना प्रभारी एचएल चौधरी ने बताया कि 3 किलो गांजे के साथ दो महिलाओं को पकड़ा है। गांजे के संबंध में पूछताछ की जा रही है। गांजा किसको बेचने वाली थीं, इस संबंध में जानकारी जुटा रहे हैं।

बीना में मेडिकल सील, खुरई में भी की जांच

सागर. दोपहर मेट्रो

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर मेडिकल स्टोर्स की जांच जारी है. बीना एसडीएम विजय डेहरिया के ने अधिकारियों के साथ कार्रवाई की गई, जिसमें डॉक्टर अंजनी पंडित के क्लीनिक में एक मेडिकल स्टोर पाया गया जिसमें ना तो फार्मासिस्ट था और ना ही बिल बुक। जांच के दौरान पाया गया कि अनेक कंपनी के कोल्ड सिरप भी मिले जिनका रिकॉर्ड भी नहीं पाया गया और दुकान का डायवर्सन भी नहीं था. उक्त सभी अनियमितताएं मिलने पर एसडीएम ने मेडिकल स्टोर को तत्काल सील करने की कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान विकासखंड मेडिकल अधिकारी फार्मासिस्ट तहसीलदार मौजूद थे। बीना मैं कार्रवाई को देखते हुए मेडिकल संचालकों ने अपने-अपने मेडिकल बंद कर दिए जिससे उनकी जांच नहीं की जा सकी। उन्होंने बताया कि सभी मेडिकल स्टोर की जांच की जाएगी। कलेक्टर के निर्देश पर खुरई एसडीएम मनोज चौरसिया के द्वारा अधिकारियों के साथ बलजीत मेडिकल एवं पंकज मेडिकल की जांच की गई। कलेक्टर ने समस्त जिले वासियों से अपील की है कि कोई भी दवाई बगैर पर्चा के ना खरीदें और दवाई खरीदने के बाद डॉक्टर को अवश्य चेक कराए । उन्होंने समस्त मेडिकल स्टोर संचालकों से भी अपील की है कि सभी बगैर डॉक्टर की परामर्श की दवाई का विक्रय ना करें डॉक्टर की द्वारा लिखित दवाई ही संबंधित व्यक्तियों को प्रदान करें और सभी दवाइयां का संधारण भी करें।

सीनियर डीई के विरोध में लगाए नारे

इटारसी, दोपहर मेट्रो

आज सुबह यार्ड स्थित विद्युत लोको शेड में वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने जमकर हल्ला बोला और सीनियर डीई एमडी कोरी के खिलाफ नारेबाजी भी की।मजदूर संघ ने शेड परिसर में स्थित खानपान केंटिंग में चाय,समोसा,नमकीन जैसे खाद्य पदार्थों में हुई एक दो रुपए की मूल्य वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किया।इसके अलावा कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम का लोड ओर लोकल मुद्दों को लेकर भी मजदूर संघ ने नारेबाजी की है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मजदूर संघ का कहना है कि लोको शेड के अधिकारियों ने कर्मचारी

वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों से बिना विचार विमर्श किए ही खाद्य पदार्थों में मूल्य वृद्धि कर दी है जो नहीं करना चाहिए थी अंदरखाने से खबर है कि आज हुए प्रदर्शन को लेकर रेल कर्मचारी दबी जुबान से कई तरह की बात कर रहे है रेलकर्मचारियों का कहना है कि केंटिंग में हुई मूल्य वृद्धि कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। बोनस की बढ़ोतरी को लेकर प्रदर्शन होना चाहिए था लेकिन बोनस के मुद्दे पर ज्यादा कुछ नहीं हुआ। आज हुए प्रदर्शन के दौरान शाखा अध्यक्ष भागीरथ मीणा,सचिव कुंदन अगलावे, आकाश यादव,अर्जुन ऊटबार, राजेश गौर, हेमराज सिसोदिया,मिलन कुमार सहित संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

दो लोगों के विवाद में चले चाकू, दो घायल, एक रेफर

इटारसी, दोपहर मेट्रो

बीती रात इटारसी थाना अंतर्गत हुई चाकूबाजी कि घटना ने पुलिस की कार्य प्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए है। दो लोगों के बीच हुई इस चाकूबाजी कि घटना में एक कुत्ते कि मौत हो गई है। घटना के बाद घायल जब थाने ओर अस्पताल पहुंचे तब पुलिस का मामले कि जानकारी लगी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तिलक लामकुचे उर्फ टिल्लू और मुकेश उर्फ सोनू वाजपेई के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था विवाद इतना बढ़ गया कि घटना चाकूबाजी में बदल गई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ काउंटर केस दर्ज किया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार न्यू यार्ड में तिलक और सोनू वाजपेई के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई थी बाद में विवाद बढ़ गया और फिर सोनू ने कुत्ते ओर तिलक को चाकू मार दिया।इस चाकूबाजी में कुत्ते की मौके पर मौत हो गई। यार्ड से बाजार जाते समय रास्ते में एक बार फिर दोनों का विवाद हो गया जिसमें फिर से चाकूबाजी हुई और दोनों घायल हो गए।ड्यूटी डॉक्टर ने दोनों को प्राथमिक उपचार देने के बाद नर्मदापुरम रिफर कर दिया।

पुलिस दोनों के खिलाफ काउंटर केस दर्ज किया है पुलिस मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है मेडिकल रिपोर्ट आने बाद धाराओं में इजाफा हो सकता है।इधर घटना के बाद से यार्ड क्षेत्र में भय का माहौल है क्षेत्र के रहवासियों का कहना है कि यार्ड में पुलिस की गश्त नहीं होती है और न ही पुलिस किसी चौक चौराहे पर नजर आती है।यार्ड में पुलिस चौकी तो है लेकिन सिर्फ कागजी खानापूर्ति के लिये। कोई भी सूचना देने या घटना के बाद शिकायत करने सिटी थाने जाना पड़ता है।रहवासियों कहना है कि वे जल्दी है यार्ड में गश्त बढ़ाने की मांग का ज्ञापन थाना प्रभारी को देगे।

बुंदेला थाना प्रभारी गौरव सिंह ने बताया कि दोनों की शिकायत पर काउंटर मामला दर्ज किया गया है, दोनों के पहले से भी अपराधी रिकार्ड है। दोनों का उपचार जारी है, जांच के बाद धाराओं में इजाफा किया जायेगा।

मेट्रो एंकर डिंडोरी में इकाइयां दोबारा शुरू होने कोई ठोस प्रयास नहीं, बेरोजगार महिलाओं को रोजगार की तलाश

आत्मनिर्भर बनाने शुरू की गईं इकाइयां बंद, महिलाएं बेरोजगार

डिंडोरी, दोपहर मेट्रो

जिले में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई बेकरी इकाइयां बंद हो गई हैं। कलेक्टर के एक आदेश से अनुबंध समाप्त होने के कारण लगभग 105 प्रत्यक्ष और 5 हजार अप्रत्यक्ष महिलाएं बेरोजगार हो गई हैं। इन इकाइयों को आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को नाश्ता उपलब्ध कराने का काम सौंपा गया था।

इकाइयां बंद होने से महिलाएं बिजली बिल और वाहनों की किस्तें तक नहीं चुका पा रही हैं। सांसद ने भी तत्कालीन कलेक्टर को पत्र लिखकर यूनिटें फिर से शुरू करने का आग्रह किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारी अब भोपाल से जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।कलेक्टर ने 15 दिनों के भीतर गुणवत्ता सुधारने का निर्देश दिया था और चेतावनी दी थी कि एक महीने बाद अधिकारी फिर से निरीक्षण करेंगे। इसी के बाद अनुबंध रद्द कर दिया गया। और गुणवत्ता में सुधार नहीं होने पर अनुबंध समाप्त कर दिया जाएगा।

कलेक्टर ने अनुबंध समाप्त कर दिया

लिहाजा अप्रैल 2025 को कलेक्टर ने अनुबंध समाप्त कर दिया। हालांकि इस दौरान कई बार महा संघ की सदस्यों ने बच्चों को दी जाने वाली रेसिपी कलेक्टर को दिखाई थी। इसके बावजूद अभी इस दिशा में किसी प्रकार का ध्यान नहीं दिया गया है, और महिलाएं बेरोजगारी की भेंट चढ़ गई हैं।

लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश लोकायुक्त भवन भोपाल

क्रमांक / 1390/स्टोर/2025 भोपाल, दिनांक : 01/10/2025

-:: वार्षिक रख-रखाव कार्य (AMC) एवं दर अनुबंध (Rate Contract) संबंधी ई-निविदा सूचना :-

लोकायुक्त संगठन, म०प्र०, भोपाल के एफ ब्लॉक पुराना सचिवालय स्थित मुख्यालय कार्यालय के कम्प्यूटर्स, लेपटॉप, प्रिंटर्स, यू०पी०एस०, इंटरनेट नेटवर्किंग एवं फोटोकॉपी मशीनों के वार्षिक रख-रखाव कार्य हेतु एवं निविदा के दर पत्रक (प्रपत्र-2) के भाग-दो (अ एवं ब) एवं तीन में उल्लेखित सामग्री आवश्यकता अनुसार एक वर्ष की अवधि हेतु प्रदाय किया जाना है। सामग्री प्रदाय हेतु इच्छुक पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों से उल्लेखित वर्णित सामग्रियों हेतु ई-निविदाएं https://mptenders.gov.in पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा प्रकिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियाँ निर्धारित की गई हैं:-

1. ई-निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध है, जिस पर निविदा संबंधी समस्त शर्तें दी गई है, जो कि राशि रूपये 1,000/- (रूपये एक हजार मात्र) ऑनलाईन जमा करने पर प्राप्त की जा सकती है।

2. ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की गई है:-

1. ऑनलाईन निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक 10.10.2025 समय सुबह 10:00 से दिनांक 31.10.2025 समय सुबह 10:00 बजे तक।

2. ऑनलाईन प्राप्त निविदाओं में सर्वप्रथम तकनीकी निविदाएं दिनांक 03.11.2025 समय दोपहर 12:00 बजे अथवा उसके उपरांत लोकायुक्त कार्यालय परिसर, भोपाल में खोली जावेगी, तत्पश्चात् तकनीकी निविदाओं में पात्र पाये गये निविदादाताओं की वित्तीय निविदायें दिनांक 07.11.2025 समय दोपहर 03:00 बजे अथवा उसके उपरांत खोली जावेगी।

3. निविदा स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सचिव, लोकायुक्त कार्यालय, म०प्र० भोपाल का होगा, इस हेतु पृथक से कोई पत्राचार नहीं किया जावेगा। निविदा संबंधी शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में दी गई है।

(विनोद मालवीय) उप संचालक (वित्त)
लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश भोपाल

G-19671/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार" फोन-2545572

विश्व जूनियर चैंपियनशिप भारत ने श्रीलंका को हराया

गुवाहाटी। भारत ने मिश्रित टीम चैंपियनशिप के नॉकआउट चरण में ग्रुप एच में श्रीलंका के खिलाफ 45-27, 45-21 से जीत हासिल की। ललथाजुआला हमार ने लड़कों के एकल मैच में केनेथ अरुगोडा को 9-2 से हराकर टीम को आत्मविश्वास से भरी शुरुआत दिलाई और भव्य छाबड़ा और मिथिलेश पी कृष्णन ने सानुदा अरियासिंघे और थिसाथ रूपथुंगा के खिलाफ बढ़त को 18-6 तक पहुंचाया। लड़कियों की एकल खिलाड़ी रक्षिता श्री, जो पहली बार टीम रिले-स्कोरिंग प्रारूप में खेल रही थीं, रनिथमा लियानागे के खिलाफ संघर्ष करती रहीं और 3-8 से पीछे चल रही थीं, लेकिन अगले सात में से छह अंक जीतकर उन्होंने स्कोर 36-21 कर दिया। पुणे में जूनियर ग्रां प्री के फाइनलिस्ट सी लालरामसांगा और तारिनी सूरी ने अरुगोडा और लियानागे को 9-6 से हराकर सेट 45-27 से अपने नाम कर लिया।

गिल टेस्ट की तरह ही वनडे में सफल होंगे: हरभजन

जालंधर। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि शुभमन गिल इंग्लैंड दौरे के दौरान बतौर कप्तान शानदार दिखे थे। उम्मीद है कि वनडे फॉर्मेट में भी वह समान सफलता हासिल करेंगे। शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ मुश्किल सीरीज में बतौर कप्तान निखर कर सामने आए थे। मुश्किल समय में गिल ने अपनी क्षमता दिखाई। मैं उन्हें वनडे फॉर्मेट का कप्तान बनने की शुभकामना देता हूं और उम्मीद करता हूं कि टेस्ट की सफलता वह वनडे में भी दोहराएंगे।

गिल को कप्तान बनाए जाने के बाद हरभजन सिंह ने कहा था, शुभमन गिल को कप्तान बनाए जाने से खुश हूं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए गिल को वनडे फॉर्मेट का कप्तान बनाने का फैसला लिया है। ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल हैं। गिल को कप्तानी में रोहित शर्मा से काफी मदद मिलेगी।

हालांकि, हरभजन ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया में ये भी कहा था कि रोहित को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ खिलाड़ी के रूप में देखना चौंकने वाला है। उन्होंने कप्तान के रूप में आखिरी सीरीज में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी का विजेता बनाया था। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बावजूद हो रहे मैच पर हरभजन सिंह ने कहा, दोनों देशों की सरकारें चाहती हैं कि क्रिकेट हो, तो क्रिकेट हो रही है। अच्छी बात यह है कि भारतीय टीम जीत रही है।

कोच गौतम गंभीर से अनबन को लेकर उठने लगे सवाल

रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी की जीत का श्रेय दिया द्रविड़ को, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी रखी राय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में शुरू की गई प्रक्रियाओं का पालन करना ही वजह से भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में मदद मिली। रोहित ने इस तरह खिताबी जीत का श्रेय द्रविड़ को दिया। मालूम हो कि भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर इस टूर्नामेंट का खिताब जीता था। भारत चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित की कप्तानी में उतरा था, जबकि टीम के मुख्य कोच द्रविड़ नहीं गौतम गंभीर थे।

रोहित और द्रविड़ की जोड़ी काफी हिट रही थी। इन दोनों की अगुआई में भारत 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचा था जहां उसे हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, भारत ने इस निराशा को पीछे छोड़ा और 2024 टी20 विश्व कप में जीत दर्ज की। द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के साथ ही समाप्त हो गया था। इसके बाद गंभीर का दौर शुरू हुआ और टीम ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। रोहित ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, देखिए, मुझे वह टीम बहुत पसंद थी, उनके साथ खेलना बहुत अच्छा लगता था और यह एक ऐसा सफर रहाहै जिसमें हम सभी कई वर्षों से लगे हुए थे। यह एक या दो साल के काम की बात नहीं है। यह कई वर्षों से काम करने की बात है। हम कई बार ट्रॉफी जीतने के बहुत करीब पहुंच गए थे, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाए। यहीं पर सभी ने फैसला किया कि हमें कुछ अलग करना होगा और इसे देखने के दो तरीके हैं। हमेशा यही विचार आता है कि ऐसा किया जाए और फिर जाकर वैसा ही किया जाए। यह एक या दो खिलाड़ियों से नहीं हो सकता। हमें चाहिए था कि सभी इस विचार को अपनाएं और यह सभी की ओर से अच्छा था।

रोहित ने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी के अभियान को किया याद

रोहित को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। रोहित ने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के प्रदर्शन के बारे में की जिसमें भारत ने उनकी कप्तानी में खिताब जीता था। रोहित ने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों ने यह सोचा कि कैसे मैच जीते जाएं और कैसे खुद को चुनौती दी जाए और आत्मसंतुष्ट न हों ताकि किसी भी चीज को हल्के में न लें। ये वो गुण थे जिन्हें हमने अपने अंदर लाने की कोशिश की और हमें लगा कि बार-बार ऐसा करना एक अच्छा तरीका है। सभी ने इस प्रक्रिया का आनंद लिया। पहला गेम जीतने के बाद हमने उस गेम को पूरी तरह से एक तरफ रख दिया और फिर अगले गेम पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया। रोहित ने कहा, टीम की तरफ से यह वाकई बहुत अच्छा था और इसी से मुझे और राहुल भाई को 2024 टी20 विश्व कप और फिर चैंपियंस ट्रॉफी की योजना बनाते समय मदद मिली। हमने इसे बखूबी अंजाम दिया। 2023 में हालांकि हम फाइनल की बाधा पार नहीं नहीं कर पाए थे। लेकिन हमने एक टीम के रूप में कुछ करने का लक्ष्य रखा और सभी ने ऐसा किया।

रोहित बोले- पता है ऑस्ट्रेलिया दौरे से क्या उम्मीदें हैं

रोहित ने कहा कि उन्हें तीनों प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन करने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से क्या उम्मीदें हैं। मालूम हो कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रोहित की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम की कप्तानी सौंपी गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 19 अक्तूबर से शुरू होगी। रोहित ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से इस बात पर गर्व है कि जब भी मुझे अवसर मिला मैंने तीनों ही प्रारूपों में बेहतर करने का प्रयास किया और कुछ अन्य लोगों ने भी ऐसा ही किया और अंततः इसका प्रभाव टीम पर भी पड़ा।

आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए अभिषेक-कुलदीप नामित

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में चमक बिखेरने वाले अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित किया गया है। इसमें सितंबर माह में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चुना गया है, जिसमें जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट भी शामिल हैं।

अभिषेक शर्मा ने एशिया कप के दौरान शानदार फॉर्म दिखाई। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 7 टी20 मुकाबलों में 314 रन बनाए। इस दौरान अभिषेक ने तीन अर्द्धशतकीय पारियां भी खेलीं। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। अभिषेक 931 अंकों के साथ पुरुषों के टी20 इतिहास में अब तक की सर्वोच्च बल्लेबाजी रेटिंग भी हासिल कर चुके हैं। वहीं, बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव ने एशिया कप 2025 में 6.27 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट हासिल किए। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। इस दौरान उनके बल्ले से 32 चौके और 19 छक्के देखने को मिले। कुलदीप यादव ने बांग्लादेश के विरुद्ध 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में 30 रन देकर 4 विकेट चटकाए। भारत ने एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। भारत ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को 3 बार हराया। इस पूरे टूर्नामेंट में भारत अजेय रहा।

कोच्चि में खेलेगी लियोनल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना, मुख्यमंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

तिरुवनंतपुरम। दुनिया के महान और लोकप्रिय फुटबॉलरों में से एक लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम केरल के कोच्चि में मुकाबला खेलेगी। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मंगलवार को कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में नवंबर में होने वाले मैच की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल को अर्जेंटीना जैसी वैश्विक फुटबॉल महाशक्ति की मेजबानी पर गर्व है और यह आयोजन राज्य के फुटबॉल के प्रति जुनून के साथ-साथ प्रमुख अंतराष्ट्रीय खेल आयोजनों के आयोजन की क्षमता को भी प्रदर्शित करेगा।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

गौरी खान बर्थडे स्पेशल: 14 साल की उम्र में किंग खान के दिल पर किया कब्जा,

इंटीरियर डिजाइनर बन कमाया नाम

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान सभी के दिलों पर राज करते हैं, लेकिन उनके दिल में सिर्फ और सिर्फ गौरी खान बसती हैं। शाहरुख ने कई बार खुलासा किया है कि गौरी उनके लिए हर मोड़ पर एक बेहतरीन पार्टनर साबित हुई हैं और उनके सपोर्ट के बिन कुछ नहीं कर पाते हैं। 8 अक्टूबर को गौरी खान अपना 54वां जन्मदिन मना रही हैं। गौरी खान भले ही शाहरुख खान की तरह फिल्मी पर्दे का चेहरा नहीं हैं, लेकिन अपने दम पर कई बिजनेस करती हैं। उन्होंने बॉलीवुड में बतौर इंटीरियर डिजाइनर अपनी पहचान बनाई और कई स्टार्स के घर डिजाइन किए हैं। गौरी ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का घर और वैनिटी वैन, करण जौहर के डुप्लेक्स की छत, जैकलीन फर्नांडिस, ऋतिक रोशन, माधुरी दीक्षित और खुद का घर मन्नत तक डिजाइन किया है। इस बिजनेस के अलावा, गौरी शाहरुख संग मिलकर अपनी प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट चलाती हैं। कंपनी के बैनर तले अभी तक कई फिल्मों का निर्माण हो चुका है, जिसमें जवान, डंकी, माय नेम इज खान, डियर जिंदगी, चेन्नई एक्सप्रेस, हैप्पी न्यू ईयर, और ओम शांति ओम जैसी फिल्में शामिल हैं।

गौरी की पर्सनल लाईफ

बता दें कि पहले गौरी खान ड्रीम्ज अनलिमिटेड नाम की प्रोडक्शन कंपनी चलाती थीं, लेकिन साल 2002 में शाहरुख और गौरी ने मिलकर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की नींव रखी थी। इन सबके अलावा, वह प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट भी करती रहती हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो गौरी की शाहरुख खान से पहली मुलाकात 14 साल की उम्र में हुई थी। उस वक्त शाहरुख खान 19 साल के थे। शाहरुख ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि उन्हें पहली ही नजर में गौरी से प्यार हो गया था। गौरी एक अच्छे और रईस परिवार से आती थीं, इसलिए उन्हें हासिल करने के लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ी थी। गौरी ने शाहरुख का नाम शाहीन के नाम से सेव कर रखा था, ताकि घर में किसी को शक न हो। इतना ही नहीं, गौरी अपनी यंग एज में इतनी ज्यादा सुंदर हुआ करती थीं कि अगर वह स्विमसूट पहनती या अपने बाल खोलती थीं तो शाहरुख उनसे लड़ने लगते थे। एक पुराने इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया था कि वह शुरू से ही गौरी के लिए पजेसिव थे। वह नहीं चाहते थे कि गौरी को कोई और देखे।

मिर्जापुर में अपने किरदार को लेकर श्वेता ने कहा- मेरे पुराने दोस्त की तरह है गोलू

मुंबई। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। आईएएनएस से दिए इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा, अब जब मैं इस शहर में मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है। अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली है, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

मेट्रो बाजार

वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 26 के लिए भारत के ग्रोथ अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली। वर्ल्ड बैंक की ओर से मंगलवार को भारत के वृद्धि दर के अनुमान को वित्त वर्ष 26 के लिए 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। इसकी वजह मजबूत घरेलू मांग, ग्रामीण मांग में रिकवरी और कर सुधारों का सकारात्मक प्रभाव है। वर्ल्ड बैंक ने रिपोर्ट में आगे कहा कि भारत इस साल भी दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 26 में बांग्लादेश की वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि भूटान के लिए हाइड्रोपावर कंस्ट्रक्शन में देरी के कारण वित्त वर्ष 26 के लिए पूर्वानुमान को घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया गया है, लेकिन वित्त वर्ष 27 में निर्माण की गति बढ़ने पर इसमें बदलाव होने की उम्मीद है। वहीं, वित्त वर्ष 26 में मालदीव में विकास दर धीमी होकर 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि नेपाल में, हाल की अशांति और बढ़ी हुई राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के कारण वित्त वर्ष 26 में विकास दर घटकर 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा, भारत के दक्षिण में स्थित श्रीलंका की विकास को वित्त वर्ष 26 में बढ़ाकर 3.5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसकी वजह पर्यटन और सेवा निर्यात में मजबूत वृद्धि थी। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया वाइस प्रेसिडेंट जोहान्स जुट ने कहा, "दक्षिण एशिया में अपार आर्थिक क्षमताएं हैं और यह अभी भी दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाला क्षेत्र है, लेकिन देशों को विकास के जोखिमों से सक्रिय रूप से निपटने की जरूरत है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीनों में बढ़ा भारत का निर्यात

नई दिल्ली। भारत का वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात वित्त वर्ष 26 चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में 5.19 प्रतिशत बढ़कर 346.10 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 329.03 अरब डॉलर था। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई। भारत के निर्यात में ऐसे समय पर उछाल देखने को मिला है, जब अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक अनिश्चितता के कारण परिस्थितियां विषम बनी हुई हैं।

अप्रैल-अगस्त 2025 के बीच हुए निर्यात में गुड्स की हिस्सेदारी 53.09 प्रतिशत रही है, जबकि सर्विसेज का शेयर 46.91 प्रतिशत रहा है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, विश्व का निर्यात बास्केट 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जबकि भारत का निर्यात 7.1 प्रतिशत (2024) की दर से बढ़ रहा है, जो वैश्विक वृद्धि दर से काफी अधिक है और देश की प्रगति की रफ्तार को दिखाता है। बयान में आगे कहा गया कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में निर्यात का हिस्सा 2015 में 19.8 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 21.2 प्रतिशत हो गया है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में निर्यात के बढ़ते को दर्शाता है। भारत के व्यापार प्रदर्शन ने वित्त वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीनों में वृद्धि की प्रवृत्ति जारी रखी है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 1 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात का लक्ष्य रखा है, जिसमें से 34.61 प्रतिशत लक्ष्य पहले पांच महीनों में ही हासिल कर लिया गया है। भारत का व्यापारिक निर्यात अप्रैल-अगस्त 2025 में 2.31 प्रतिशत बढ़कर 183.74 अरब डॉलर हो गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 179.60 अरब डॉलर था।

निर्वाचन आयोग की ओर से बेस्ट इलेक्शन प्रैक्टिस अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके हैं सुरेंद्र सिंह

गरीबी के कारण भूखे सोए, पिता के साथ खेतों में काम किया लेकिन साथ रहा जूनून, अब बने मुख्यमंत्री योगी के सचिव

लखनऊ, दोहपर मेट्रो

जीवन में अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो कोई भी बाधा आपको लक्ष्य हासिल करने से नहीं रोक सकती है। संघर्ष, मेहनत और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर हालात चाहे कितने ही कठिन क्यों न हों, मंजिल पाई जा सकती है। इसका उदाहरण हैं उत्तर प्रदेश कैडर के 2005 बैच के आईएएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह। उन्होंने गरीबी में पले-बढ़े होने के बावजूद कठिन परिस्थितियों को मात देकर देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा यूपीएससी पास की। आईएएस अधिकारी बने। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद उन्हें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव की जिम्मेदारी मिली है।

सुरेंद्र सिंह को संघर्षों से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। उनका जन्म मथुरा जिले के जोधपुर गांव में एक गरीब किसान परिवार में हुआ। उनके पिता हरी सिंह खेती-बाड़ी से परिवार का गुजर-बसर करते थे। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि कई बार घर में भोजन के लिए भी पर्याप्त अनाज नहीं होता था। सुरेंद्र ने खुद बताया कि कई रातें ऐसी बीतीं, जब परिवार को भूखे पेट ही सोना पड़ा। स्कूल से लौटने के बाद सुरेंद्र अपने पिता के साथ खेतों में काम करते थे। इसके बावजूद पढ़ाई के प्रति उनका समर्पण कभी कम नहीं हुआ। उनके पिता का सपना था कि बेटा कलेक्टर बने और परिवार का नाम रोशन करे।

गांव से शुरू हुआ सपनों का सफर

सुरेंद्र सिंह के सपनों का सफर गांव से शुरू हुआ। उन्होंने गांव के प्राथमिक विद्यालय से आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उनके बड़े भाई जितेंद्र सिंह उन्हें दिल्ली ले गए। वे दिल्ली के एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। वहां उन्होंने आगे की पढ़ाई की। दिल्ली से इंटरमीडिएट पास करने के बाद सुरेंद्र ने राजस्थान जाकर बीएससी और एमएससी की डिग्री हासिल की। एमएससी में वे गोल्ड मेडलिस्ट रहे। ड्डपढ़ाई के दौरान सुरेंद्र ने कई प्रतियोगी परीक्षाएं पास कीं। उनका चयन एयरफोर्स में हुआ। इसके बाद ओएनजीसी में जियोलॉजिस्ट के रूप में नियुक्ति मिली। लेकिन पिता का सपना अधूरा था, बेटा आईएएस बने। सुरेंद्र ने नौकरी छोड़कर यूपीएससी की तैयारी शुरू की। उन्होंने तीन बार पीसीएस परीक्षा पास की, लेकिन ज्वाइन नहीं किया।सुरेंद्र सिंह कहते हैं कि मैंने ठान लिया था कि आईएएस से कम कुछ मंजूर नहीं। आखिरकार वर्ष 2005 में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 21वीं रैंक हासिल कर अपना और अपने पिता का सपना साकार कर दिया।

योगी के हैं भरोसेमंद

आईएएस बनने के बाद सुरेंद्र सिंह ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद अब उन्हें मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में फिरोजाबाद में तैनाती के दौरान उन्हें निर्वाचन आयोग की ओर से बेस्ट इलेक्शन प्रैक्टिस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, मनरेगा के तहत उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने सम्मानित किया था।

बिहार महागठबंधन में सीटों का घमासान

60 सीट से कम पर राजी नहीं कांग्रेस, लेफ्ट का आंकड़ा 65

पटना, एजेंसी

बिहार महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर उठा तूफान थमने का नाम नही ले रहा है। महागठबंधन के नेताओं के मैराथन बैठक के बावजूद कांग्रेस 60 सीट से नीचे आने को तैयार नहीं है तो लेफ्ट भी 65 सीट पर अटकी हुई है। वहीं लालू यादव के दरवाजे पर अपनी ही पार्टी के विधायक के खिलाफ लोगों ने मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है।

बिहार महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर मामला सुलझने के बदले और उलझता चला जा रहा है। और अब महागठबंधन में पड़ी फूट साफ-साफ दिखने लगी है। सीट बंटवारे को लेकर अब तक महागठबंधन के नेताओं की कई बार बैठक हो चुकी है। कांग्रेस पिछली बार 70 सीट पर चुनाव लड़ी थी लेकिन इस बार 10 सीट कुर्बान करने के बाद 60 सीट से नीचे आने को राजी नहीं है। बताया जाता है कि कांग्रेस ने आरजेड़ी के सामने 60 सीट के साथ डिप्टी सीएम का पद देने की शर्त रख दी है। मिली जानकारी के मुताबिक तेजस्वी चाहते हैं कि मुकेश सहनी 18 और कांग्रेस 52 सीटों पर चुनाव लड़े, जबकि लेफ्ट की तीनों पार्टियां सीपीआई 24 , सीपीआई (एमएल) 40 और सीपीआई (एम) 11 के लिए अड़ गई हैं।

सीट बंटवारे का पेंच अभी सुलझा नहीं है कि लालू यादव के आवास पर अपनी ही पार्टी के नेता कार्यकर्ता गेट पर हंगामा करते हुए मसौढ़ी विधायक रेखा देवी का टिकट काटने के लिए पहुंच गए। जिससे महागठबंधन में टिकट बंटवारे के उलझे मामले के साथ पार्टी के नेताओं से भी लालू परिवार को दो चार होना पड़ रहा है।

टेस्ट में में तीन किमी से ज्यादा दौड़, पुशअप्स, सिटअप्स और रस्सी चढ़ाई शामिल

आर्मी का का फिटनेस पर जोर, अग्निवीर से कमांडर तक को देना होगा फिजिकल टेस्ट

नई दिल्ली, दोहपर मेट्रो

इंडियन आर्मी में अब अग्निवीर से लेकर जनरल रैंक के अधिकारियों तक को फिजिकल टेस्ट देना होगा और इसमें पास होना होगा। ये फिजिकल टेस्ट साल में दो बार होंगे। सूत्रों के मुताबिक आर्मी 1 अप्रैल 2026 से इस नए नियम को लागू कर रही है। अब तक आर्मी में 50 साल की उम्र तक ही फिजिकल टेस्ट होता था। लेकिन अब 60 साल की उम्र तक फिजिकल टेस्ट होंगे।

आर्मी में 60 साल की उम्र होने तक हर साल दो बार फिजिकल टेस्ट पास करना होगा। इसका मतलब है कि ब्रिगेडियर, मेजर जनरल रैंक के अधिकारी और आर्मी कमांडर सभी को ये टेस्ट देना और पास करना होगा। आर्मी में लेफ्टिनेंट जनरल रैंक (थ्री स्टार) के अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र 60 साल है। यानी आर्मी चीफ को छोड़कर सभी सैनिकों और जूनियर और सीनियर अधिकारियों को ये टेस्ट देना होगा।

नया है कंबाइंड फिजिकल टेस्ट

अब तक दो तरीके के फिजिकल टेस्ट होते थे। फिजिकल इफिसिएंसी टेस्ट और फिजिकल प्रोफिशिएंसी टेस्ट । पूरे बेटल गेयर यानी 4.5 किलो वजन के साथ 5 किलोमीटर की दौड़ होती थी। 2.4 किलोमीटर की दौड़ होती थी। लेकिन अब कंबाइंड फिजिकल टेस्ट होगा। साल में दो बार। इसमें 3.2 किलोमीटर की दौड़ या ब्रिक्स वॉक, पुशअप्स, सिटअप्स और वर्टिकल रोप (रस्सी) क्लाइंबिंग शामिल है।

हर किसी को कम से कम हर इवेंट में संतोषजनक ग्रेड हासिल करने होंगे और ओवरऑल क्वालिफाई करना होगा। फिजिकल टेस्ट ग्रेड सिस्टम में सुपर एक्सिलेंट ग्रेड भी जोड़ा गया है, जो अब तक नहीं होता था। 12 मार्क्स मतलब सुपर एक्सिलेंट, 10 मार्क्स मतलब एक्सिलेंट, 8 मार्क्स मतलब गुड और 6 मार्क्स मतलब संतोषजनक। टीम स्प्रिट को बढ़ावा देने के लिए आर्मी यूनिट ऑपरेशनल इफिसिएंसी टेस्ट भी शुरू कर रही है। ताकि सामूहिक ताकत और समन्वय पर भी फोकस रहे। टेस्ट के ग्रेड सभी के एनुवल कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट में जुड़ते हैं। प्रमोशन के लिए यह अहम है। सूत्रों के मुताबिक ये फिजिकल टेस्ट रैंक न्यूट्रल और जेंडर न्यूट्रल है। उम्र के हिसाब से पैरामीटर कुछ अलग रखे गए हैं। साथ ही टेरेन और क्लामेंट के हिसाब से भी पैरामीटर सेट किए गए हैं।

दिल्ली में 10 बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर किन्नर किए गिरफ्तार

नई दिल्ली, दोहपर मेट्रो

भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ने में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। उत्तर पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में पुलिस ने 10 बांग्लादेशी ट्रांसजेंडरों को पकड़ा है। ये लोग वसूली का काम करते थे। इनके पास से 7 स्मार्टफोन और 10 बांग्लादेशी पहचान पत्र मिले हैं। इनके फोन में एक प्रतिबंधित ऐप भी मिला।डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि जिले की फॉरेनर सेल लगातार ऐसे विदेशियों का पता लगा रही है जो अवैध रूप से रह रहे हैं। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी हैदरपुर मेट्रो स्टेशन और नई सब्जी मंडी, महेन्द्रा पार्क के आसपास देखे गए हैं। इस सूचना पर पुलिस की एक टीम सक्रिय हुई।

पुलिस ने हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास 8 संदिग्धों को पकड़ा। इसके बाद महेन्द्रा पार्क इलाके में नई सब्जी मंडी के पास 2 और संदिग्धों को पकड़ा गया। जब पुलिस ने उनसे पूछताछ की तो उन्होंने पहले तो खुद को भारतीय नागरिक बताया। लेकिन उनके हाव-भाव, भाषा और बातों में विरोधाभास देखकर पुलिस को शक हुआ। पुलिस ने उनके दस्तावेजों की जांच की। उनके डिजिटल फुटप्रिंट्स, मोबाइल गैलरी और सोशल मीडिया अकाउंट्स की पड़ताल की गई। इससे यह साफ हो गया कि वे सभी बांग्लादेश के रहने वाले हैं। बाद में उन्होंने सच कबूल कर लिया। उनके मोबाइल और इंस्टाग्राम पर बांग्लादेश की तस्वीरें मिलीं। यह भी पता चला कि उन्होंने जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी।

युवती ने की आत्महत्या

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम नलखेड़ा में 21 साल की युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।एसआई आरसी मीना ने बताया कि ग्राम नलखेड़ा निवासी नारायण सिंह और उनका परिवार मेहनत-मजदूरी करता है। उनकी 21 साल की बेटी रचना बाई काफी समय से बीमार रहने लगी थी। उनका मानसिक संतुलन भी दिन ब दिन खराब होता जा रहा था। रचना घर में अकेली थी। परिजनों ने बेटी को फांसी के फंदे पर लटके देखा।

कफ सिरप के मामले पर बोले डिप्टी सीएम

दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा : राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि राज्य सरकार जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। औषधियों की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं है। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस मामले में कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्पष्ट किया कि प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में नहीं छोड़ा जाएगा। आमजन को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय औषधियां उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में प्रदेश सरकार लगातार सतर्क और सजग रहते हुए दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने कहा कि 26 से 28 सितम्बर 2025 तक जिला छिंदवाड़ा में औषधि निरीक्षकों की टीम द्वारा औषधि विक्रय संस्थानों एवं अस्पतालों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में प्राप्त अनियमितताओं पर गंभीरता से संज्ञान लेकर अब तक कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इस दौरान कुल 19 औषधि नमूने संकलित कर शासकीय परीक्षण प्रयोगशालाओं को भेजे गए हैं। जनहित को दृष्टिगत रखते हुए 30 सितम्बर 2025 को छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ़ सिरप और नास्ट्रो-डीएस के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई गई।

30 सितम्बर 2025 को ही इंदौर स्थित आर्क फार्मास्यूटिकल्स के विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर डिफ्रॉस्ट सिरप बैच नं. 11198 को बाजार से रिकॉल करने के निर्देश दिए गए। औषधि महानियंत्रक (भारत सरकार), नई दिल्ली तथा संबंधित राज्यों हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु के औषधि नियंत्रकों को 1 अक्टूबर 2025 को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के लिए कहा गया। साथ ही जबलपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट और मंडला जिलों के औषधि निरीक्षकों को सम्मिलित कर 1 अक्टूबर 2025 को विशेष जांच दल गठित किया गया।

समस्त औषधि निर्माताओं, औषधि निरीक्षकों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों तथा मेडिकल कॉलेजों के डीन को 1 अक्टूबर 2025 को क्लोर फ़ेनिरामाइन मलेट एवं फ़ेनाइलफ्रिन एचसीएल के उपयोग के संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है। जबलपुर में कार्रवाई करते हुए 2 अक्टूबर 2025 को कोल्ड्रिफ सिरप की 66 बोतलों में से 50 बोतलें बिक्री हेतु रोक दी।

मेट्रो एंकर — मेरी बीवी ईद पर अकेली बैठी रोती रही, तब कोई नहीं आया तो अब क्यों आए ?

मिलने आ रहे अखिलेश के लिए आजम खान का सन्देश- अकेले ही आएं, किसी दूसरे से नहीं मिलूंगा

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव वरिष्ठ समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खान से मिलने आज रामपुर जा रहे हैं। आज की मुलाकात सपा के अंदरूनी राजनीतिक समीकरण और आगामी चुनाव रणनीति के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आजम खान हाल ही में 23 महीने की कैद के बाद सीतापुर जेल से रिहा हुए हैं, और उनकी पार्टी में भूमिका को लेकर कई कयास और चर्चाएं हो रही हैं। लेकिन अपनी रिहाई के बाद से आजम खान के तेवर सपा को लेकर मुलायम नहीं बल्कि तल्ख ही रहे हैं। हालांकि उन्होंने खुलकर अखिलेश यादव को लेकर नाखुशी नहीं जताई लेकिन इतना जरूर जाहिर कर दिया कि जब वह जेल में थे तो सपा ने उनके परिवार को अकेला छोड़ दिया। इसीलिए इस मुलाकात से पहले भी उन्होंने कुछ शर्तें रख दी हैं।

इस मुलाकात के बारे में मीडिया को दिए इंटरव्यू में आजम खान ने कहा, वह आएंगे, यह मेरे लिए समान की बात है। लेकिन वह कोई पहली बार नहीं आ रहे हैं। उनका मेरी आत्मा मेरे शरीर पर हक है। उनके आने से मुझे खुशी होगी, मेरी इज्जत बढ़ेगी। लेकिन मैं चाहता हूं कि केवल वही आएं। जब पूछा गया कि ऐसा क?यों, तो इस पर आजम खान ने अपने

अंदाज में कहा, मैं केवल उनसे ही मिलूंगा। मैं भला औरों से क्यों मिलूं? इतने समय मेरे परिवार की खबर किसने ली? मेरी बीवी ईद पर अकेली बैठी रोती रही। कोई आया? किसी ने फोन किया तो अब किसी को क्यों आना चाहिए? आजम खान ने कहा कि उनके अलावा उनके परिवार का कोई सदस्य अखिलेश यादव से नहीं मिलेगा।

न मेरी पत्नी मिलेगी, न मेरा बेटा अब्दुल्लाह मिलेगा

आजम ने कहा न मेरी पत्नी मिलेगी, न मेरा बेटा अब्दुल्लाह मिलेगा। अखिलेश यादव के साथ भी उनकी सिक्योरिटी के अलावा कोई अन्य नेता या व्यक्ति मेरे घर में न आए। उन्होंने आगे कहा, ये दो लोगों की मुलाकात है। इसमें तीसरे के लिए कोई जगह नहीं है, चाहे वह कोई भी क्यों न हो। बहरहाल, इंतजार करना होगा कि इस मुलाकात में क्या-क्या होता है। मुलाकात के लिए अखिलेश यादव बरेली एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे और वहां से कार से रामपुर स्थित आजम खान के निवास स्थान जाएंगे। मुलाकात लगभग एक घंटे चलेगी। उमीद है कि मुलाकात के बाद सपा में आजम खान के गिले-शिकवे भी दूर होने की संभावना है, जससे पार्टी को मजबूती मिलेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564